वार्षिक प्रतिवेदन
2015-16

USACS

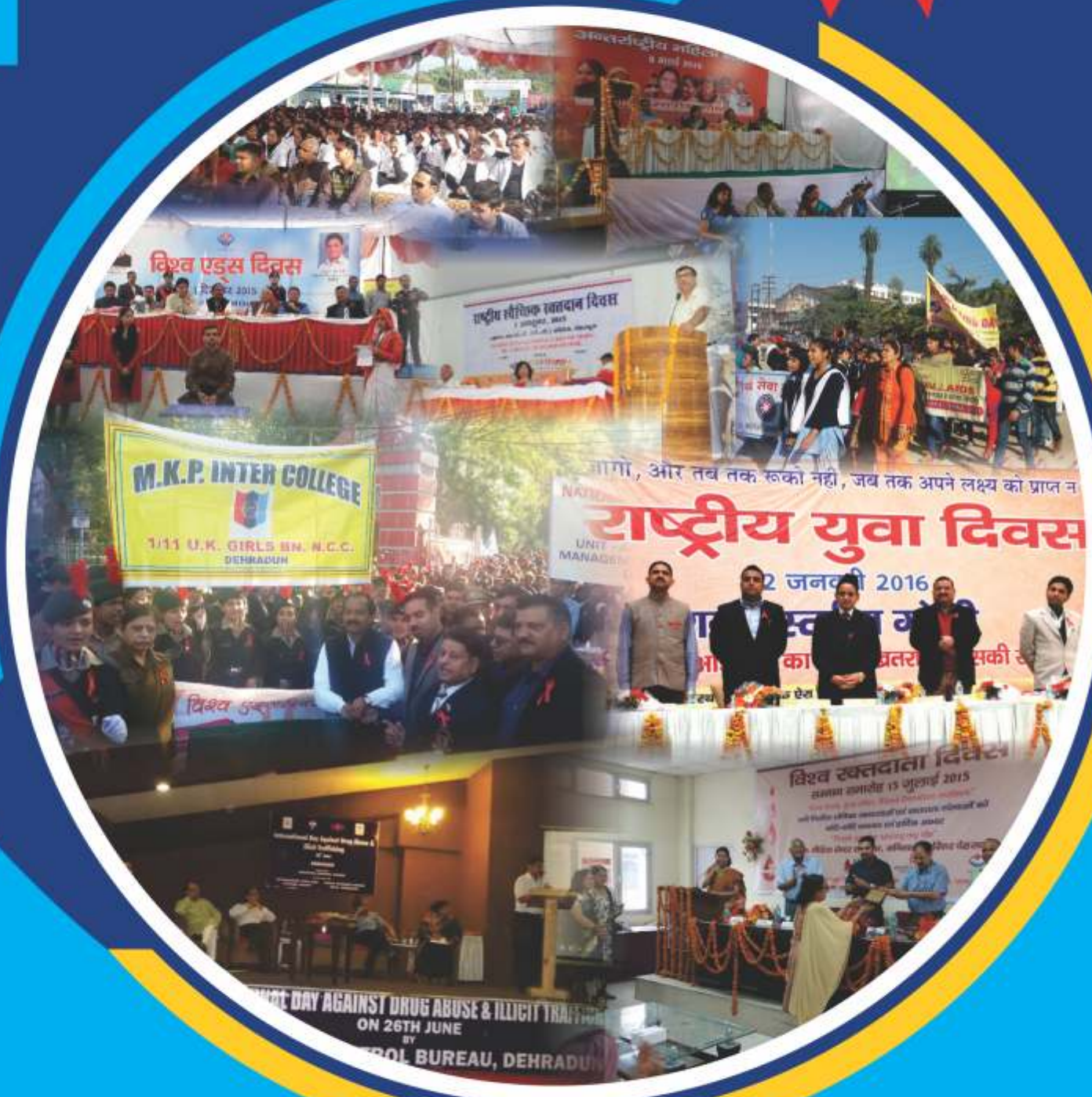

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून

एच.आई.वी./एड्स से सम्बन्धित अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें।

Website: www.uasacs.org

कंडोम देता है सुरक्षा
यौन रोगों से • एच.आई.वी. से • अनचाहे गर्भ से
कंडोम हो हमसफर
तो राह में नहीं
कंडोम स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के पास, स्वा
और सरकारी अस्पतालों में मुफ्त उपल
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून
अधिक जानकारी के लि
बिना कंडोम - एक बा
के लिये कंडोम ही
एच.आई.वी. एक वायरस है
जो मनुष्य में बीमारियों से लड़ने की क्षमता
को खत्म कर देता है।
एच.आई.वी. संक्रमण
4 तरह से होता है
18-65 वर्ष की आयु का कोई भी स्वस्थ व्यक्ति
हर तीन महीने में एक बार रक्तदान कर सकता है।
"रक्तदान"
"जीवनदान"
"महादान"
• "नियमित स्वैच्छिक रक्तदान से ही सुरक्षित रक्त प्राप्त किया जा सकता है"
• "नियमित स्वैच्छिक रक्तदान से रक्त संक्रमित रोगों (Transfusion Transmissible Infections) जैसे- मलेरिया, हैपेटाइटिस-बी.,सी., सिफलिस तथा एच.आई.वी. के संक्रमण की संभावना को लगभग समाप्त किया जा सकता है।
रक्तदान कीजिये - जीवन उपह
Donate Blood & Give
एच आई वी संक्रमित गर्भवती महिला से शिशु
में वायरस का संचार तीन अवस्थाओं में हो सकता है।
गर्भावस्था में 1
प्रसव के समय 2
स्तनपान से 3
हर गर्भवती महिला एच आई वी जांच के लिये अपने
क्षेत्र की आशा कार्यकत्री से संपर्क करें
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून
कंडोम देता है सुरक्षा
• यौन रोगों से
• एच.आई.वी से
• अनचाहे गर्भ से
कंडोम स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के पास, स्वास्थ्य केंद्रों
और सरकारी अस्पतालों में मुफ्त उपलब्ध हैं
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून

वार्षिक प्रतिवेदन 2015-16

Annual Report 2015-16

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण महानिदेशालय

डांडा लखौण्ड, पो0ओ0 गुजराड़ा, सहस्त्रधारा रोड़, देहरादून

दूरभाषः 0135–2608885, फैक्स 2608745, **Email: uttaranchalsacs@gmail.com Website: www.uasacs.org**

अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें

विषय सूची

1	लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना	05
2	एस.टी.आई./आर.टी.आई.	07
3	रक्त सुरक्षा कार्यक्रम	08
4	एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केन्द्र (आई.सी.टी.सी.)	11
5	सूचना, शिक्षा एवं संचार (आई.ई.सी.)	12
6	यूथ अफेयर	15
7	मेनस्ट्रीमिंग	16
8	देखभाल, सहयोग एवं उपचार	17
9	लैब सर्विसेस	23
10	समाचार पत्र – सुर्खियाँ	24
11	आई.ई.सी. सामग्री	25
12	यूसैक्स में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों की सूची	26
13	लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना में कार्यरत एन.जी.ओ. की सूची	28
14	रक्तकोषों की सूची	32
15	सुरक्षा क्लीनिक की सूची	33
16	एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केन्द्रों की सूची	34
17	ए.आर.टी. केन्द्रो एवं लिंक ए.आर.टी. केन्द्रो की सूची	37
18	ओ.एस.टी. केन्द्रो की सूची	38
19	संक्षिप्तीकरण	39

लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना
(अप्रैल 2015-मार्च 2016)

लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अन्तर्गत 34 गैर सरकारी संस्थाओं के माध्यम से उच्च जोखिम समूहों के मध्य कार्य किया जा रहा है जहां संक्रमण की अधिक संवेदनशीलता है। उच्च जोखिम समूहों को "कोर ग्रुप" एवं "ब्रिज पोपुलेशन" में विभाजित किया गया है। "कोर ग्रुप" के अन्तर्गत महिला यौनकर्मी, इन्जेक्टिंग ड्रग यूजर्स एवं समलिंगी (एम0एस0एम0) एवं ब्रिज पापुलेशन के अन्तर्गत ट्रक ड्राईवर एवं माइग्रेंट्स के मध्य कार्यक्रम क्रियान्वित किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2015–16 में अप्रैल 2015 से मार्च 2016 तक राज्य में उच्च जोखिम समूहों की अनुमानित संख्या 156930 के सापेक्ष 192947 लाभार्थियों को लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अन्तर्गत सेवायें प्रदान की गई।

Typology	Estimation as per Site Assessment	Target	No. of Registered Population
FSW	7250	5250	5464
MSM	1920	1870	1879
TG	160	160	102
IDU	2100	1800	1807
Migrants	95000	85000	154765
TRUCKERS	40000	40000	26400
Transit	10000	10000	1900
OST	500	500	630
Total	**156930**	144580	192947

Fig : Coverage of HRGs in the Year 2015-16(April 2015-March 2016)

लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अन्तर्गत एच0आई0वी0 / एड्स की रोकथाम हेतु वर्ष 2015–16 में माह अप्रैल 2015 से मार्च 2016 तक 25104 लाभार्थियों की एच0आई0वी0 की जांच की गयी जिसमें से कुल 25 एच0आई0वी0 पाजिटिव पाये गये जिसमें से 15 को ए0आर0टी0 में सन्दर्भित कर उचित सेवायें प्रदान की गयी। लाभार्थियों की एच0आई0वी0 जांच हेतु एन0आर0एच0एम0 के अन्तर्गत उपलब्ध सेवाओं से भी समन्वय स्थापित कर सेवायें प्रदान की गयी। राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा स्थापित आई0सी0टी0सी0 केन्द्रों के अतिरिक्त फैसिलिटी आई0सी0टी0सी, मोबाइल आई0सी0टी0सी0, मोबाइल मेडिकल वैन, कम्युनिटी केयर सैन्टर एवं अरबन हैल्थ सैन्टर में एच0आई0वी0 की जांच की गयी एवं एस0टी0आई0 / आर0टी0आई0 की जांच की गयी।

Typology	April 2015 to March 2016	
	No. of Active Population	No. of Tested for HIV
FSW	5461	8349
MSM+TG	1982	2859
IDU	1807	2922
Migrants	25500	8839
Truckers	6000	2135
Total	**40750**	**25104**

संस्थाओं का मूल्यांकन : वर्ष 2015–16 में लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अन्तर्गत 2 वर्ष से अधिक समय से कार्यरत 28 गैर सरकारी संस्थाओं का मूल्यांकन प्रक्रिया पूर्ण की गयी, जिसमें से 22 संस्थायें सफल पायीं गयी।

एस0टी0आई0 / आर0टी0आई0 : यौन रोग एच0आई0वी0 / एड्स के संक्रमण को बढ़ावा देती है एवं यौन रोगियों में एच0आई0वी0 संक्रमण लगभग 30 प्रतिशत अधिक होने की संभावना रहती है। वर्ष 2015–16 में माह अप्रैल 2015 से मार्च 2016 तक 79044 लाभार्थियों ने एस0टी0आई0 सेवाओं हेतु उपस्थिति दर्ज की गयी एवं एस0टी0आई0 ग्रसित व्यक्तियों का उपचार किया गया।

कण्डोम प्रमोशन : एच0आई0वी0 / एड्स कार्यक्रम में कण्डोम प्रमोशन भी एक महत्वपूर्ण मद है। एच0आर0जी0 के मध्य मुफ्त कण्डोम वितरण के अतिरिक्त सोशल मार्केटिंग के माध्यम से भी कण्डोम की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने हेतु संस्थाओं द्वारा सराहनीय प्रयास किया गया। वर्ष 2015–16 में माह अप्रैल 2015 से मार्च 2016 तक मांग के सापेक्ष शत प्रतिशत कण्डोम वितरण किया गया एवं सोशल मार्केटिंग के माध्यम से भी कण्डोम उपलब्ध कराया गया। कण्डोम प्रमोशन के प्रयासों के फलस्वरूप राज्य में एच0आई0वी0 / एड्स को नियंत्रित करने में काफी हद तक सफलता प्राप्त हुई एवं यौन रोगियों की संख्या में अप्रत्याशित कमी पायी गई।

कण्डोम प्रमोशन हेतु टैक्नीकल सपोर्ट ग्रुप(नाको भारत सरकार) का महत्वपूर्ण भूमिका रही एवं टैक्नीकल सपोर्ट ग्रुप द्वारा उचित सहयोग प्राप्त हुआ।

एम्प्लायर लेड माडल(Employer Led Model)–

एच0आई0वी0 / एड्स की रोकथाम हेतु राज्य में स्थापित विभिन्न उद्योगों के सहयोग से विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये जाने हेतु प्रयास किये गये। एम्प्लायर लेड माडल(Employer Led Model) के अन्तर्गत कुल 13 कम्पनियों के साथ मेमोरेन्डम आफ अन्डरस्टेंडिंग पर हस्ताक्षर किया जा चुका है।

ओ0एस0टी0 सेन्टर – वर्ष 2015–16 में नाको द्वारा प्राप्त अनुमोदन के क्रम में सुई से नशा करने वालों (IDUs) में एच0आई0वी0 का संक्रमण के जोखिम को कम करने एवं एच0आई0वी0 की रोकथाम हेतु जनपद नैनीताल(बनभूलपुरा), जनपद देहरादून(प्रेमनगर), जनपद उधमसिंह नगर(रूद्रपुर एवं काशीपुर) एवं जनपद हरिद्वार में पांच ओ0एस0टी0 केन्दों के माध्यम से 500 आई0डी0यू0 को उचित दवाओं के माध्यम से सेवायें दी गयीं। इस कार्यक्रम के फलःस्वरूप आई0डी0यू0 सुई से नशा करने के स्थान पर चिकित्सक द्वारा दी गयी दवाओं का सेवन कर अपना जीविकोपार्जन करते हैं एवं इससे सुई द्वारा एच0आई0वी0 के संक्रमण की रोकथाम भी संभव हो पा रही है।

चित्र–1. टी0आई0 संस्थाओं में क्षमता विकास सत्र

क्षमता विकास – लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना (टी0आई0) के अन्तर्गत कार्य कर रही संस्थाओं में कार्यरत कार्मिकों (परियोजना प्रबन्धक, परामर्शदाता, लेखाकार) की क्षमता विकास हेतु इंटर पर्सनल कम्युनिकेशन (IPC) पर आई0ई0सी0 अनुभाग के सहयोग से पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। नाको भारत सरकार द्वारा स्थापित एजेंसी प्रोजेक्ट दिवा एव हृदय द्वारा क्रमशः एम0एस0एम0 एवं आई0डी0यू0 लक्ष्य पर कार्य कर रही संस्थाओं के कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया। समस्त प्रशिक्षण कार्यक्रम नाको–भारत सरकार द्वारा तैयार किये गये ट्रेनिंग माड्यूल के अनुरूप किये गये।

चित्र–2. विश्व एड्स दिवस में प्रतिभाग करते टी0आई0 संस्थाओं के प्रतिनिधि

लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अन्तर्गत बजट का आंवटनः

नाको–भारत सरकार के द्वारा अनुमोदित वार्षिक कार्ययोजना 2015–16 के क्रम में लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु कुल 34 संस्थाओं को वित्तीय वर्ष 2015–16 हेतु माह अप्रैल 2015 – मार्च 2016 हेतु निम्नानुसार बजट तीन किश्तो(दो तिमाही एवं एक छमाही किश्त) में निर्गत किया गया :–

एस०टी०आई/आर०टी०आई०
प्रगति आख्या (माह अप्रैल, 2015 से मार्च, 2016)

यौन सम्बन्ध से फैलने वाली तथा यौन अंगों से सम्बन्धित रोग (एस0टी0आई0/आर0टी0आई0) भारत में एक मुख्य जन स्वास्थ्य समस्या है। विभिन्न सर्वेक्षणों में पाया गया है कि सामान्यतः वयस्क व्यक्तियों में 5 से 6 प्रतिशत लोग यौन सम्बन्ध से फैलने वाली तथा यौन अंगों से सम्बन्धित रोग से प्रभावित होते हैं। देखा गया है कि सरकारी चिकित्सालयों में बहिरंग रोगी विभाग में लगभग 6 प्रतिशत पुरूष तथा 12 प्रतिशत महिलायें यौन सम्बन्धी रोगों के लक्षणों वाले होते हैं।

एस0टी0आई0/आर0टी0आई0 की व्यापकता, एच0आई0वी0 के लिये एक महत्वपूर्ण सूचक है क्योंकि दोनों के संक्रमण का मार्ग समान होता है। उल्लेखनीय है कि एस0टी0आई0/आर0टी0आई0 से संक्रमित व्यक्ति से एच0आई0वी0 के संक्रमित होने एवं दूसरे को संक्रमण फैलने की सम्भावना, सामान्य व्यक्तियों से काफी अधिक होता है। एस0टी0आई0/आर0टी0आई0 को नियन्त्रित कर एच0आई0वी0 संक्रमण के दर को कम किया जा सकता है तथा एच0आई0वी0 की रोकथाम तथा प्रजनन स्वास्थ्य पर प्रशिक्षित परामर्शदाता द्वारा सलाह दी जाती है।

राष्ट्रीय एड्स नियन्त्रण संगठन (नाको) का एस0टी0आई0/आर0टी0आई0 की रोकथाम एवं उपचार का प्रविधान, एच0आई0वी0 के संक्रमण के फैलाव को रोकने तथा लैंगिक तथा प्रजनन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की एक महत्वपूर्ण योजना है। एस0टी0आई0/आर0टी0आई0 की रोकथाम एवं उपचार लक्षणों के आधार एवं सिफिलिस जांच के परिणाम पर किया जाता है तथा उपचार नाको, गाइडलाईन के अनुसार ही प्रदान किया जाता हैं।

एस0टी0आई0/आर0टी0आई0 की रोकथाम एवं उपचार हेतु सेवायें जिला स्तर के चिकित्सालयों एवं कुछ चयनित अन्य चिकित्सालयों में नाको द्वारा राज्य एड्स नियन्त्रण समिति की ओर से प्रदान की जाती है, जिन्हें (Designated STI/RTI Clinic-DSRC) अथवा सुरक्षा क्लिनिक के नाम से जाना जाता है। नाको द्वारा प्रत्येक सुरक्षा क्लिनिक में एक परामर्शदाता की संविदा पर तैनाती की गयी है तथा निःशुल्क औषधि प्रदान की जाती है, साथ ही सिफिलिस की जांच भी की जाती है। अन्य चिकित्सालयों में यह सेवायें एन0आर0एच0एम0 द्वारा प्रदान की जाती हैं।

वर्तमान में उत्तराखण्ड राज्य में कुल 27 सुरक्षा क्लिनिक एवं एक एस.आर.सी. केन्द्र स्थापित है जिसमें 28 (01 अतिरिक्त परामर्शदाता दून माहिला चिकित्सालय में) एस0टी0आई0 परामर्शदाता एवं 01 लैब टैक्नीशियन तैनात है। वित्तीय वर्ष 2015–16 में एक एस.आर.सी. केन्द्र, एच0आई0एच0टी0, जौली ग्रांण्ट डोईवाला में स्थापित किया गया।

उच्च जोखिम व्यवहार वाले व्यक्तियों में एस0टी0आई0/आर0टी0आई0 की रोकथाम एवं उपचार हेतु सेवायें स्वयं सेवी संस्थाओं के माध्यम से प्रदान की जाती हैं। वर्तमान में स्वयं सेवी संस्थाओं के द्वारा यह सेवायें प्रदान की जा रही हैं।

माह अप्रैल, 2015 से मार्च, 2016 तक कुल 25968 मरीजों का सुरक्षा क्लिनिक में उपचार किया गया।

रक्त संचरण सेवा कार्यक्रम
(अप्रैल 2015-मार्च 2016)

रक्त संचरण सेवायें राष्ट्रीय एड्स नियन्त्रण कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण अंग है। असुरक्षित रक्त एवं रक्त उत्पादों के कारण एच0आई0वी0 संक्रमण की संभावना 100 प्रतिशत बनी रहती है, इसलिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है कि सुरक्षित रक्त की उपलब्धता प्रचुर मात्रा में बनी रहे, जिसके लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम में रक्त सुरक्षा कार्यक्रम को एक खास वरीयता दी गयी है।

राज्य में सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण रक्त की उपलब्धता हेतु स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिस हेतु राज्य के समस्त जिलों में समय–समय पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। ये शिविर लाईसेन्सयुक्त रक्तकोषों के माध्यम से लगाये जाते हैं। प्रदेश में स्थापित रक्तकोष निम्नानुार हैः–

कुल रक्तकोष – 27

राज्य सरकार – 17

केन्द्र सरकार – 03

प्राईवेट – 07

वित्तीय वर्ष 2015–16 (अप्रैल–मार्च) में प्रस्तावित लक्ष्य के क्रम में प्राप्त लक्ष्य निम्न प्रकार हैः–

क्र.सं0	विवरण	प्रस्तावित लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य
1	कुल एकत्रित रक्त यूनिटों की संख्या	85800	110265
2	कुल स्वैच्छिक रक्तदान से प्राप्त रक्त	77220	100236
3	स्वैच्छिक रक्तदान का प्रतिशत	90%	90.90%
4	कुल एकत्रित रक्त यूनिटों की संख्या (नाको सहायतित रक्तकोषों में)	80000	100128
5	स्वैच्छिक रक्तदान से प्राप्त रक्त यूनिट (नाको सहायतित रक्तकोषों में)	70000	93547
6	कुल रक्तदान शिविर	572	809

वित्तीय वर्ष 2015–16 में रक्त सुरक्षा अनुभाग द्वारा विभिन्न विशेष दिवसों का राज्य एवं जनपद स्तर पर सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें नियमित स्वैच्छिक रक्तदाताओं को एवं स्वैच्छिक रक्तदान कार्यक्रम में सहयोग करने वाली संस्थाओं को सम्मानित किया गया, जिसका विवरण निम्नानुसार हैः–

क्र.सं0	कार्यक्रम का नाम	रक्तदान माह अभियान शिविरों में एकत्रित रक्त यूनिट की संख्या	सम्मानित रक्तदाता/ संस्थाए
1.	विश्व रक्तदाता दिवस (14 जून) अभियान	7145	15
2.	राष्ट्रीय रक्तदान दिवस	-	10

वित्तीय वर्ष 2015–16 (अप्रैल–मार्च) में रक्त सुरक्षा अनुभाग एवं राज्य रक्त संचरण परिषद्, उत्तराखण्ड द्वारा किये गये कार्यों का विवरण

स्वैच्छिक रक्तदान सप्ताह

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 01 अक्टूबर से 07 अक्टूबर, 2015 तक स्वैच्छिक रक्तदान सप्ताह का आयोजन रोटरी क्लब एवं राज्य रक्त संचरण परिषद के सहयोग से डी0ए0वी0 पी0जी0 कॉलेज में किया गया। कार्यकम का उद्घाटन मुख्य अतिथि तत्कालीन माननीय मुख्यमंत्री श्री हरीश रावत द्वारा किया गया। तत्कालीन माननीय मुख्यमंत्री द्वारा डायरेक्टर एस0बी0टी0सी0 डॉ0 कैलाश जोशी को स्वैच्छिक रक्तदान के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने हेतु सम्मानित किया गया तथा महामहिम राज्यपाल महोदय श्री के0के0 पाल द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किये जाने हेतु एस0बी0टी0सी0 के प्रतिनिधि श्री रवि बिष्ट को सम्मानित किया गया।

विद्यालय शिक्षा / उच्च शिक्षा कार्यक्रमः–

सुरक्षित रक्त की महत्ता को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के लक्ष्य से तथा युवाओं को स्वैच्छिक रक्तदान अभियान से जोड़ने के उद्देश्य से विद्यालयी शिक्षा / उच्च शिक्षा कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। उक्त के क्रम में वित्तीय वर्ष 2015–16 में समस्त जनपदों में स्थापित कुल 250 रेड रिबन क्लबों में स्वैच्छिक रक्तदान कार्यकम का आयोजन किया गया।

बीट एनीमिया कार्यक्रमः–

महिलाओं में रक्त की कमी होने के कारण वे रक्तदान देने के इच्छुक होने के बावजूद भी स्वैच्छिक रक्तदान नहीं कर पाती हैं। इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2015–16 में महिलाओं में स्वैच्छिक रक्तदान एवं हीमोग्लोबिन सम्बन्धित जागरूकता बढ़ाने हेतु एम0के0पी0 विश्वविद्यालय एवं कन्या गुरूकुल महाविद्यालय, देहरादून में रेड रिबन क्लब के माध्यम विभिन्न जागरूकता कार्यकमों का आयोजन किया गया।

ब्लड मोबाईल बसः–

नाको–भारत सरकार द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के माडल ब्लड बैंक दून चिकित्सालय, देहरादून हेतु एक ब्लड मोबाईल बस प्रदान की गयी है। वित्तीय वर्ष 2015–16 में ब्लड मोबाईल बस के माध्यम से विभिन्न स्थानों में स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया।

- कुल रक्तदान शिविर – 16
- कुल एकत्रित रक्त यूनिट – 545

रक्त की गुणवत्ता (Quality of Blood) एवं रक्त संचरण सेवाओं के सुदृढ़ीकरण करने के लिए निम्न बैठकों का आयोजन किया जाता हैः–

रक्तकोष अधिकारियों की बैठक

वित्तीय वर्ष 2015–16 में अपर परियोजना निदेशक, उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति की अध्यक्षता में दिनांक 23 दिसम्बर, 2015 को रक्तकोष अधिकारियों की बैठक आहुत की गयी जिसमें 19 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

कोर कॉरडीनेशन कमेटीः–

राज्य में रक्त संचरण सेवाओं के सफल संचालन एवं सुदृढ़ीकरण हेतु स्टेट ट्रान्सफ्यूजन सर्विसेज़ कोर कॉरडीनेशन कमेटी के गठन हेतु दिनांक 11 मई, 2015 को महानिदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परियोजन कल्याण की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें राज्य एवं जिले स्तर पर स्टेट ट्रान्सफ्यूजन सर्विसेज़ कोर कॉरडीनेशन कमेटी गठित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

सुपरवाईजरी विजिटः–

रक्त संचरण सेवाएं अनुभाग द्वारा काशीपुर, रानीखेत, अल्मोड़ा, हल्द्वानी, हरिद्वार, रूड़की, ऋषिकेश, रूद्रपुर, चमोली, पौड़ी गढ़वाल, बागेश्वर, चम्पावत, टिहरी गढ़वाल एवं नैनीताल में स्थापित राजकीय रक्तकोषों की सुपरवाईजरी विजिट की गयी।

राज्य रक्त संचरण परिषद्, उत्तराखण्ड :–

प्रदेश में राज्य रक्त संचरण परिषद् की स्थापना, राष्ट्रीय रक्त संचरण परिषद् के निर्देशों को राज्य में लागू कराने के उद्देश्य से की गयी है। नीति निर्णयन (Policy Decision) प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण / अध्यक्ष, राज्य रक्त संचरण परिषद् की अध्यक्षता में गवर्निंग बॉडी की बैठक में लिये जाते हैं, जिसमें परियोजना निदेशक, यूसैक्स / उपाध्यक्ष, राज्य रक्त संचरण परिषद् एवं राज्य की रक्त संचरण सेवाओं के तकनीकी सदस्य होते हैं। राज्य रक्त संचरण परिषद् की गवर्निंग बॉडी की प्रथम बैठक दिनांक 03 अगस्त, 2015 को आहुत की गयी।

सुरक्षित रक्त, स्वास्थ्य सेवा का एक अति महत्वपूर्ण अंग है, जिसके लिए उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति का रक्त संचरण सेवा अनुभाग एवं राज्य रक्त संचरण परिषद् संयुक्त रूप से कार्य कर रहे हैं। साथ ही वित्तीय वर्ष 2015–16 में स्वैच्छिक रक्तदान का कुल 90.76 प्रतिशत तथा नाको सहायतित रक्तकोषों में 93.45 प्रतिशत रहा तथा इसे शत प्रतिशत करने हेतु निरन्तर प्रयासरत हैं।

युवा दिवस :–

युवा दिवस 12 जनवरी, 2016 के उपलक्ष्य में ग्राफिक ऐरा विश्वविद्यालय, देहरादून में एस0बी0टी0सी0 एवं यूसैक्स के सहयोग से एक जागरूकता कार्यकम आयोजन किया गया। उक्त कार्यकम में कुल 200 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

महिला दिवसः–

महिला दिवस 08 मार्च, 2016 के उपलक्ष्य में एम0के0पी0 कॉलेज, देहरादून में एस0बी0टी0सी0 एवं उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति के सहयोग से एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में कुल 250 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

"रक्तदान" "महादान" "जीवनदान"

एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केन्द्र (आई.सी.टी.सी.)

आई.सी.टी.सी एवं पी.पी.टी.सी.टी. केन्द्र में परामर्श एवं परीक्षण की निःशुल्क सुविधा प्रदान की जाती है जहाँ पर स्वयं एवं डॉक्टर की सलाह से जनसामान्य अपनी एच.आई.वी जांच एवं परामर्श की निःशुल्क सुविधा का लाभ उठाते है।

एच.आईवी./एड्स संक्रमण का पता, केवल रक्त की जांच करवाने से ही हो सकता है। परामर्श (काउन्सलिंग) सहायक प्रक्रिया है जिसके माध्यम से एच.आई.वी./एड्स के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण एवं उद्देश्यपरक जानकारी प्रदान की जाती है तथा परामर्श द्वारा संक्रमित व्यक्ति को जीवन निर्वाह के लिए सकारात्मक प्रवृत्ति अपनाने एवं नेगेटिव लोगो को भविष्य में एच.आई.वी./एड्स से बचने के उपाय के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की जाती है। उत्तराखण्ड राज्य में एच.आई.वी. परीक्षण की सुविधा सर्वप्रथम 2002 में दो केन्द्रों में शुरू की गयी तथा अभी तक राज्य में 49 स्टैन्डअलोन एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केन्द्र (आई0सी0टी0सी0), 114 फेसिलिट आई0सी0टी0सी0 एवं 01 मोबाईल आई0सी0टी0सी0 तथा 12 पी0पी0पी0 मोड आई0सी0टी0सी0 स्थापित हैं। सभी केन्द्रों में एक परामर्शदाता एवं एक लैब टेक्नीशियन की व्यवस्था की गयी है, जो कि जनसाधारण को एच.आई.वी/एड्स की जानकारी एवं बचाव के उपायों से सम्बन्धित जानकारी के साथ–साथ एच.आई.वी. जांच की सुविधा प्रदान करते है।

आई.सी.टी.सी. कार्यक्रम की सफलता हेतु आई.सी.टी.सी. केन्द्रो को राज्य में चल रहे विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रम जैसे आर.एन.टी.सी.पी.(Revised National Tuberculosis Control Programme), टी.आई.(Targetted Intervention) एवं एस.टी.टी.(Sexual Transmitted Disease) क्लीनिक से जोड़ा गया है। प्रायः देखा गया है कि एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्ति अवसरवादी संक्रमण का शिकार हो जाता है, जिस में टी.बी. प्रमुख अवसरवादी संक्रमण है, जिस हेतु आर.एन.टी.सी.पी द्वारा समस्त टी.बी. मरीजों को एच.आई.वी जांच हेतु आई.सी.टी.सी केन्द्रों को संदर्भित किया जाता है एवं आई.सी.टी.सी. केन्द्रों द्वारा टी.बी. के लक्षण पाये जाने वाले समस्त लोगों को टी.बी. केन्द्रों में टी.बी. की जाँच हेतु संदर्भित किया जाता है।

राज्य में चल रहे टी.आई. प्रोजेक्ट के अन्तर्गत गैर सरकारी संगठन उच्च जोखीम व्यवहार वाले लोगों के साथ काम कर रहें है, जिन लोगों की साल में दो बार एच.आई.वी. जांच जरूरी हैं एवं उनके व्यवहार परिवर्तन की भी अत्यन्त आवश्यकता होती है जो कार्य आई.सी.टी.सी. केन्द्रों द्वारा बखुबी निभाया जा रहा है।

एस.टी.आई/आर.टी.आई संक्रमित व्यक्ति को एच.आई.वी. संक्रमण होने एवं दूसरो को संक्रमित करने का खतरा 10 प्रतिशत तक ज्यादा रहता है जिस हेतु राज्य में 27 एस.टी.आई/आर.टी.आई क्लीनिको एवं एक एस.आर.सी. की स्थापना की गयी है। जिसमें आने वाले लोगों को आई.सी.टी.सी. में संदर्भित किया जाता है एवं आई.सी.टी.सी. में आने वाले लोगों को एस.टी.आई के लक्षण पाये जाने की स्थिति में एस.टी.आई. में संदर्भित किया जाता है।

साथ ही संक्रमित पाये गये व्यक्तियों को सी.डी.– 4 जांच एवं इलाज के लिए ए.आर.टी. केन्द्रों में सन्दर्भित किया जाता है तथा समय–समय पर उनके साथ समन्यवय स्थापित किया जाता है।

आई.सी.टी.सी.

- आई.सी.टी.सी. केन्द्रों में अप्रैल 2015 से मार्च 2016 तक कुल 93113 सामान्य लोगों की एच.आई.वी की जांच की गयी, जिसमें कुल 706 लोग एच.आई.वी घनात्मक पाये गये जिनको ए0आर0टी0 केन्द्रों को संदर्भित किया गया।
- आई.सी.टी.सी. केन्द्रों में अप्रैल 2015 से मार्च 2016 तक कुल 91694 गर्भवती माताओं की एच.आई.वी जांच की गयी, जिसमें कुल 49 गर्भवती माताऐं एच.आई.वी घनात्मक पायी गयी जिनको ए0आर0टी0 केन्द्रों को संदर्भित किया गया।
- टी.बी. क्लीनिको से आई.सी.टी.सी. केन्द्रों में एवं आई.सी.टी.सी. केन्द्रों से टी.बी. क्लीनिको में लोगों संदर्भित किया जाता है।
- अप्रैल 2015 से मार्च 2016 तक कुल 14186 उच्च जोखिम व्यवहार वाले लोगों की जांच की गयी।
- अप्रैल 2015 से मार्च 2016 तक कुल 10974 ब्रिज पॉपुलेशन वाले लोगों की जांच की गयी।

आई.सी.टी.सी. मोबाईल वैन

राज्य में एच0आई0वी0/एड्स की जानकारी एवं परीक्षण हेतु एक आई.सी.टी.सी. मोबाईल वैन का संचालन किया जा रहा है। वैन को विभिन्न आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया गया है, वैन में एक परामर्शदाता, लैब टेक्नीशिन, चालक एवं अटेन्डेन्ट तैनात है, जो वैन में ही परामर्श एवं टेस्टिंग कर रिपोर्ट क्लाईन्ट को देते है।

सूचना, शिक्षा एवं संचार (आई०ई०सी०)

एच0आई0वी कार्यक्रम में सूचना, शिक्षा एवं संचार की एक अभिन्न रणनीति रही है चाहे वह एच0आई0वी0 संक्रमण के प्रभावी बचाव, रोकथाम या जागरूकता हो। जिसका मुख्य उद्देश्य कलंक और भेदभाव को कम करना एवं यूसैक्स द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों के मध्य पहुँचाना है। वर्ष 2015–16 में लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत प्रचार–प्रसार हेतु इलैक्ट्रोनिक मीडिया, प्रिन्ट मीडिया, आउटडोर मीडिया आदि के माध्यम से विभिन्न चैनल्स का प्रयोग किया गया।

आई0ई0सी0 एवं मेनस्ट्रिमिंग के अन्तर्गत वर्ष 2015–16 में विश्व रक्त दाता दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ निषेध दिवस, राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस, विश्व एड्स दिवस, राष्ट्रीय युवा दिवस एवं अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

जिसके अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा एच0आई0वी0/एड्स, एस0टी0आई0, स्टीगमा, डिस्क्रिमिनेशन एवं रक्तदान जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त टी0वी0 वार्ताये, आकाशवाणी नजीबाबाद, पौड़ी एवं अल्मोड़ा से रेडियो कार्यक्रमों व रेडियों जिंग्ल्स/स्पॉटस का प्रसारण किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 08 मार्च 2016 के अवसर पर समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित किये गये। इन कार्यक्रमों में विभिन्न रैली, पोस्टर प्रतियोगिता, डिबेट, प्रदर्शनी आदि गतिविधियां भी आयोजित की गई। आई0ई0सी0 गतिविधियों के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की पठन सामग्री का प्रकाशन किया गया। इसके अतिरिक्त पुलिस बैरियर, बस शैल्टर, पोस्ट ऑफिस पास बुक एवं रेलवे स्टेशनों पर ग्लो साईन बोर्ड आदि द्वारा एच0आई0वी0 संक्रमण से बचाव एव रक्तदान जैसे विषयों पर संदेश प्रसारित किये गये।

ब्लक एस0एम0एस0:– यूसैक्स द्वारा कुल 8.42 लाख ब्लक एस0एम0एस0 04 अवसरों राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस, विश्व एड्स दिवस, राष्ट्रीय युवा दिवस एवं अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विभिन्न उपभोगताओं के मोबाईल पर एच0आई0वी0/एड्स एवं स्वैच्छिक रक्तदान विषय पर एस0एम0एस0 प्रसारित किये गये।

मास मीडिया :

दूरदर्शन : उत्तराखण्ड दूरदर्शन पर एच0आई0वी0/एड्स विषय पर सामान्य जानकारी, एच0आई0वी0 को मुख्यधारा में लाने के प्रयास, एच0आई0वी0 संक्रमित व्यक्तियों की देखभाल

व उपचार, रक्तसुरक्षा कार्यक्रम, रक्तदान प्रोत्साहन, यौन जनित संक्रमण एवं एच0आई0वी0, आई0सी0टी0सी0 (परामर्श एवं जांच केन्द्र) आदि विषयों पर फरवरी से मार्च 2016 में प्रति सप्ताह कुल 07 कार्यक्रम, प्रति कार्यक्रम 30 मिनट का प्रसारण किया गया। जिसमें बहुत से दर्शकों द्वारा फोन द्वारा बहुत से सवाल पूछे गये जिसका उत्तर विशेषज्ञों द्वारा दिया गया।

रेडियो प्रोग्राम : 15 मिनट के 36 लॉग फारमेट रेडियों प्रोग्राम के एपिसोड का प्रसारण आकाशवाणी नजीबाबाद, पौड़ी एवं अल्मोड़ा से ए0आई0आर0 कानपुर के माध्यम से कार्यक्रम प्रसारित किये गये। प्रत्येक रेडियो कार्यक्रम की अवधि 15 मिनट थी। इसके साथ ही 531 रेडियों जिंग्लस एंव स्पॉट का प्रसारण नजीबाबाद, पौड़ी, अल्मोड़ा से ए0आई0आर0 कानपुर

के माध्यम से प्रसारित किये गये। प्रत्येक रेडियों जिंग्लस एवं स्पॉट की अवधि 30 सैकैण्ड थी।

आउटडोर मीडिया:

ग्लो साइन बोर्ड एट रेलवे स्टेशन : रेलवे स्टेशन हरिद्वार, ऋषिकेश एवं रूड़की में एच0आई0वी0 संक्रमण एवं बचाव, यूसैक्स की सेवायें स्वैच्छिक रक्तदान, कलंक एवं भेदभाव के विषय पर 57 ग्लो साइन बोर्ड एक माह हेतु लगाये गये।

पुलिस बैरियरः– उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण द्वारा एच0आई0वी0 /एड्स की रोकथाम व जानकारी प्रदान करने हेतु कुल 50 पुलिस बैरियर जनपद देहरादून, हरिद्वार एवं नैनीताल हेतु बनवाये गये। जिस पर एच0आई0वी0/एड्स, स्वैच्छिक रक्तदान एवं टॉल फ्री हैल्प लाईन नं0 1097 के संदेश दिये गये।

बस शैल्टरः– उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण द्वारा एच0आई0वी0 /एड्स की रोकथाम व जानकारी प्रदान करने हेतु कुल 10 बस शैल्टर देहरादून के प्रमुख बस स्टैण्ड में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक माह हेतु लगवाये गये।

पोस्ट मीडियाः– उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण द्वारा एच0आई0वी0/एड्स की रोकथाम व जानकारी प्रदान करने हेतु कुल 80,000 पोस्ट ऑफिस पास बुक छंपवाई गई जिस

पर एच0आई0वी0 / एड्स से सम्बन्धित विज्ञापन दिया गया। उक्त पास बुकों को उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों के पोस्ट ऑफिसेस में वितरित किया गया।

मिड मीडिया:

आई0ई0सी0 वैन : एच0आई0वी0 / एड्स संक्रमण व बचाव, कलंक एवं भेदभाव एवं स्वैच्छिक रक्तदान पर जागरूकता के लिए 4 आई.ई.सी. वैन एक माह हेंतु किराये पर ली गयी। जिनका फ्लैग ऑफ अपर परियोजना निदेशक महोदय, यूसैक्स द्वारा किया गया था। उक्त 04 आई0ईसी0 वैन जनपद देहरादून, हरिद्वार उधमसिंहनगर एवं नैनीताल में चलाई गई थी।

आई0पी0सी0 वर्कशॉप:– यूसैक्स द्वारा 5 दिवसीय आई0पी0सी0 वर्कशॉप टी0आई0 स्टाफ, टी0आई0 आउटरीच वर्कर्स हेतु आई0पी0सी0 स्किल एवं टूल्स पर ट्रेनिंग सेंटर, चन्दर नगर, देहरादून में दिनांक 14–18 मार्च 2016 को आयोजित कराई गई थी।

मेगा इवेंट:– यूसैक्स द्वारा मेगा इवेंट एच0आर0जी0 एवं ब्रिज पॉपूलेशन हेतु रूद्रपुर उधमसिंहनगर में दिनांक 18 मार्च 2016 को आयोजित किया गया था। इस मेगा इवेंट में विभिन्न हैल्थ कैम्प, एच0आई0वी0 टैस्टिंग, एस0टी0आई0 कैम्प, कंडोम वितरण, आई0पी0सी0 सेशन, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि गतिविधियां आयोजित कराई गई।

प्रचार–प्रसार सामग्री : इस वर्ष में विभिन्न अनुभागों की आव यकता के अनुरूप कई प्रकार के आई0ई0सी0 मैटीरियल तैयार किये गये। जैसे पोस्टर, लीफलेट, फोल्डर, स्टीकर्स, वार्षिक प्रतिवेदन इत्यादि छंपवाई गई। इस क्रम में समिति कार्यालय द्वारा वर्ष 2016 हेतु वार्षिक डायरी भी छंपवाई गई। यह मैटीरियल जनसमुदाय में वितरित किये गये।

इवेंट का आयोजन:– वर्ष 2015–16 में विभिन्न इवेंट का आयोजन किया गया:–

विश्व रक्त दाता दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ निषेध दिवस, राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस, विश्व एड्स दिवस, राष्ट्रीय युवा दिवस एवं अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें मुख्यतः रैली, पोस्टर व डिबेट प्रतियोगिता, सेमिनार, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि का आयोजन किया गया जिसमें मा0 स्वास्थ्य मंत्री, प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य, स्वास्थ्य महानिदेशक आदि सहित हजारों छात्र–छात्राओं, सामाजिक संगठनों, सरकारी व गैर सरकारी विभागों के प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विभिन्न प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित किये गये।

रेड रिबन क्लब (एच०आई०वी०/एड्स नियन्त्रण की नई विचारधारा)

युवाओं को इस नये उभरते भारत को आगे ले जाना है। उन्हीं के कन्धों पर देश की अर्थव्यवथा, सामाजिक व्यवस्था और सुरक्षा की जिम्मेवारी है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) द्वारा एक नवीन पहल के अन्तर्गत देश में एच0आई0वी0/एड्स की रोकथाम हेतु उच्च शिक्षण संस्थाओं में युवाओं को साथ लेकर रेड रिबन क्लबों का गठन किया गया है। यह इसलिए किया गया है कि एच0आई0वी0/एड्स के अधिकांश मामले युवाओं में विशेषकर 15–29 वर्ष के आयु वर्ग के बीच हैं। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि एच0आई0वी0/एड्स के कारण देश की रीढ़ कहे जाने वाले आयु समूह की स्थिति पर्याप्त रूप से विषम हो गई है।

उत्तराखण्ड के परिप्रेक्ष्य में रेड रिबन क्लबों की भूमिका

उत्तराराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति रेड रिबन क्लबों के माध्यम से युवाओं को एच0आई0वी0/एड्स के संक्रमण से बचाने हेतु कार्ययोजना के अनुरूप निरन्तर प्रगतिशील है। अभी तक प्रदेश में 250 रेड रिबन क्लब उच्च शिक्षण संस्थानों में शुरू किए जा चुके हैं। ये सभी क्लब एच0आई0वी0/एड्स के प्रति जागरूकता प्रचारित करने हेतु अपने स्तर से कार्यशील हैं। समिति द्वारा समय–समय पर इन सभी क्लबों की गतिविधियों का प्रालेखन, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन किया जाता है। नई वित्तीय कार्ययोजना (2015–16) के अन्तर्गत एक नयी सोच के तहत प्रदेश के तकनीकी महाविद्यालयी स्तर पर भी रेड रिबन क्लब खोले गये हैं। इन सभी रेड रिबन क्लबों का राष्ट्रीय सेवा योजना की सहायता से चिन्हीकरण किया गया। इस प्रकार प्रदेश में कुल 250 रेड रिबन क्लब युवाओं को एच0आई0वी0/एड्स से सुरक्षित रखने की अपनी प्रतिबद्धता निरन्तर सुनिश्चित कर रहे हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि रेड रिबन क्लब युवाओं को एच0आई0वी0/एड्स संक्रमण से बचाने का एक कारगर तरीका है। इसके माध्यम से युवा वर्ग निकटतम रूप से बिना किसी हिचकिचाहट के एच0आई0वी0/एड्स के विभिन्न पहलुओं पर पारस्परिक चर्चा कर सकेंगें।

वित्तीय वर्ष 2015–16 में रेड रिबन क्लबों का गठन एवं संचालन

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (युवा प्रकोष्ठ) उत्तराखण्ड के मध्य हुए एम0ओ0यू0 के क्रम में वित्तीय वर्ष 2015–16 में प्रदेश के 250 उच्च शिक्षण संस्थानों में रेड रिबन क्लबों का गठन किया गया।

250 क्लबों में से 170 रेड रिबन क्लबों के गठन एवं संचालन हेतु रू0 6,31,200 लाख की धनराशि जिला समन्वयक, एन0एस0एस0, देहरादून एवं 80 रेड रिबन क्लबों के गठन एवं संचालन हेतु रू0 2,88,800 लाख की धनराशि वित्त अधिकारी कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल को प्रेषित की गयी।

रेड रिबन क्लबों में विभिन्न कार्यक्रमों जैसे एच0आई0वी0/एड्स जागरूकता रैली, स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन, क्लब स्तर पर गोष्ठी, स्लोगन प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता इत्यादि समय–समय पर आयोजित की गयी। विश्व एड्स दिवस 01 दिसम्बर 2015 को रेड रिबन क्लबों के लगभग 3000 स्वयं सेवियों द्वारा गांधी पार्क से शुरू हुई राज्य स्तरीय एच0आई0वी0/एड्स जागरूकता रैली में प्रतिभाग किया गया। इसके अतिरिक्त यूसैक्स द्वारा राज्य स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में रेड रिबन क्लबों द्वारा समय–समय प्रतिभाग किया जाता रहा है।

मुख्यधारा प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्ष 2015–16

मेनस्ट्रीमिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम एच0आई0वी0/एड्स पीड़ित व्यक्तियों के प्रति बढ़ते भेदभाव एवं कलंक के व्यवहार को रोकने हेतु नाको, भारत सरकार द्वारा एच0आई0वी0 को एकमात्र स्वास्थ्य समस्या न मानते हुए एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया गया है। इस चुनौती का सामना करने की सर्वाधिक महत्वपूर्ण रणनीति के रूप में मुख्यधारा प्रशिक्षण कार्यक्रम को चिन्हित किया गया है।

रणनीति : मुख्यधारा प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियन्त्रण समिति के आई0ई0सी0 अनुभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2015–16 की अनुमोदित कार्ययोजना के अनुसार राज्य में प्रशिक्षण कार्यक्रम कराये गये।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अन्तर्गत एच0आई0वी0 संक्रमित व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान कराये जाने हेतु राज्य स्तरीय एडवोकेसी एवं एच0आई0वी0/एड्स विषय पर संवेदीकरण कार्यशालायें एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम कराये जाने हेतु रूपरेखा तैयार की गयी एवं यह कार्यक्रम विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कराये गये।

मुख्यधारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में एच0आई0वी0/एड्स विषय को मुख्यधारा में लाने के साथ ही इससे जुड़े कलंक एवं भेदभाव के व्यवहार को दूर करना, इससे जुड़ी भ्रान्तियों को दूर करना एवं एच0आई0वी0 संक्रमित व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध करवाना है।

इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अन्तर्गत एच0आई0वी0/एड्स से सम्बन्धित जानकारी, राज्य में एच0आई0वी0 संक्रमण की वर्तमान स्थिति, यूसैक्स द्वारा उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी एवं यू0एन0 द्वारा दिये गये स्लोगन "शून्य की ओर" शून्य हो नये एच0आई0वी0 संक्रमण, शून्य हो भेदभाव एंव शून्य हो एड्स से मृत्यु के उद्देश्य को पूरा करने का प्रयास किया गया।

एच0आई0वी0 पॉजिटिव व्यक्तियों की सामाजिक सुरक्षा

एच0आई0वी0 पॉजिटिव व्यक्तियों हेतु उनके निवास स्थान से ए0आर0टी0 आने–जाने के लिए निःशुल्क बस पास की सुविधा प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में अनुमानित बजट महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को वित्तीय वर्ष 2015–16 मांग हेतु प्रेषित किया गया। जिसके सापेक्ष राज्य सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2015–16 के बजट में धनराशि का प्राविधान किया गया है।

एच0आई0वी0 पॉजिटिव व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है क्योंकि समाज में व्यापत भेदभाव एवं कलंक के व्यवहार के दूर होने से एच0आई0वी0 संक्रमित व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकते हैं। वर्ष 2015–16 के दौरान इन कार्यक्रमों के द्वारा विभिन्न विभागों के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को एच0आई0वी0/एड्स विषय पर जागरूक एवं एच0आई0वी0 पॉजिटिव व्यक्तियों के साथ हो रहे व्यवहार में परिवर्तन लाने हेतु सम्पूर्ण प्रयास किये जा रहे हैं। इन प्रशिक्षणों के द्वारा एच0आई0वी0/एड्स को मुख्य धारा में लाने हेतु प्रयास किये जा रहे हैं। इन्ही प्रयासों के क्रम में यूसैक्स द्वारा उत्तराखण्ड पंचायती राज के ट्रेनिंग मॉडयूल में एच0आई0वी0/एड्स को मुख्य विषय के रूप में सम्मिलित कराया गया है।

वित्तीय वर्ष 2015–16 की अनुमोदित कार्ययोजना के अनुसार राज्य में विभिन्न विभागों के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसके अन्तर्गत अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु संवेदीकरण कार्यशालायों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कुल 1000 से अधिक व्यक्तियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

एच0आई0वी0/एड्स नियंत्रण कार्यक्रम हेतु सम्पदित मेनस्ट्रीमिंग गतिविधियाँ

देखभाल, सहयोग एवं उपचार (Care Support & Treatment)

HIV/AIDS के साथ जी रहे लोगो के लिए देखभाल, सहायता और उपचार सुविधा

यह कार्यक्रम अवसरवादी संक्रमणों की रोकथाम और उपचार, एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी, मानसिक और सामाजिक सहायता, घर–आधारित देखभाल और संक्रमण के प्रभाव को कम करने के लिए पीएलएचए को व्यापक प्रबंधन उपलब्ध करवाता है।

एच.आई.वी. एड्स के प्रसार को नियंत्रित करने के उद्देश्य से भारत सरकार राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (NACP) को 100 प्रतिशत केन्द्रीय प्रायोजित योजना के रूप में कार्यान्वित कर रही है। एंटी रेट्रोवायरल उपचार (ART) की व्यापक पंहुच के परिणामस्वरूप एड्स संबंधित कारकों के कारण मरने वाले लोगों की अनुमानित संख्या में गिरावट आई है।

भारत में ए.आर.टी. कार्यक्रम की शुरूआत 01–अप्रैल–2004 को की गयी थी। ए.आर.टी. के लिए राष्ट्रीय मार्ग निर्देशों को वर्ष 2004 में पहली बार प्रकाशित किया गया और फिर मई 2007 में इन्हें संशोधित किया गया। यह दिशानिर्देश (Guidelines) वयस्को और बच्चों के लिए अलग–अलग बनाये गये है। नाको के दिशानिर्देश विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के दिशानिर्देशों को आधार बनाकर तैयार किये गये और ये सार्वजनिक स्वास्थ्य दृष्टिकोण का पालन करते है। ये दिशानिर्देश सरलीकृत प्रथम पंक्ति (First Line ART) और दूसरी पंक्ति (Second Line ART) के ए. आर.टी. उपचार का प्राविधान करते है।

सक्रमित व्यक्ति में निम्न रूग्णता और मृत्यु साथ ही एच.आई.वी. संचरण की निम्न सम्भावनाओं की दृष्टि से पी. एल.एच.आई.वी (People Living with HIV/AIDS) को लाभ प्रदान करने के लिए उच्चतर सी.डी. 4 काउन्ट (वर्तमान में <350) पर ए.आर.टी. उपचार शुरू की जाएगी। इसके अलावा टी.बी. के सभी रोगियों, गर्भवती महिलाओं, 5 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों के लिए चाहें उनका सी.डी.4 काउन्ट कुछ भी हो, आजीवन ए.आर.टी. की शुरूआत की जायेगी।

CD-4 (Cluster of differentiation) -

CD4 की खोज 1970 में की गयी थी। किसी आम व्यक्ति में सी.डी.4 की संख्या 600 से 1300 तक हो सकती है। CD4 एक प्रकार का ग्लाइकोप्रोटीन है जो सफेद रक्तकोशिकाओं का एक भाग है जो T-helper cell, Monocytes, Macrophages (मैक्रोफेज) के सतह पर होता है।

HIV का वायरस CD4 को धीरे–धीरे नष्ट करता है तथा सक्रमित व्यक्ति में CD4 की संख्या 350 से कम होने पर ए.आर.टी. की दवा आरम्भ करने की सलाह दी जाती है। एच. आई.वी. सक्रमित व्यक्ति में CD4 की संख्या के आधार पर रोग का निदान होता है।

एच.आई.वी सक्रमित व्यक्ति में CD4 की संख्या 250 से कम होने पर अवसरवादी संक्रमण (Opportunistic Infection) की सम्भावनायें बढ़ जाती है, जिसमें मुख्य TB (Tuberculosis), Fungal Pneunomia है, जो उचित समय पर उपचार न करने पर जानलेवा हो सकती है। ए.आर.टी. की दवा समय पर लेने से CD4 की संख्या धीरे–धीरे बढ़ती है। यह देखा गया है कि सक्रमित व्यक्ति की नियमित रूप से ए. आर.वी. की दवा सेवन करने से CD4 की संख्या 200 से बढ़कर 800 तक हुई है। जिससे उनकी जीवन शैली की गुणवत्ता में सुधार आया है। एक साल से कम आयु के बच्चों में CD4 की संख्या 2000–3000 होती है और इन में ए.आर.टी. का उपचार बिना CD4 जांच की बिना ही शुरू कर दिया जाता है।

वायरल लोड जांच – योजना विस्तार :–

वायरल भार की जाँच व्यक्ति के खून में एच.आई.वी. वायरस की मात्रा को मापता है। इसको मापने के विभिन्न तकनीक है :–

- पी.सी.आर. (पॉलाभरेज चेनरिएक्सन): उक्त तकनीक में खून के नमूने में एच.आई.वी. को बढ़ाने के लिए एक एंजाइम का प्रयोग किया जाता है। इसके बाद एक रसायनिक प्रक्रिया वाइरस को चिन्हित करता है। चिन्हित करने वालों को मापा जाता है, इस वाइरस की मात्रा को मापने में प्रयोग किया गया। रोचे एवं एबोह इस तरह के जाँच को उत्पन्न करते है।
- वी.डी.एन.ए. (ब्रान्चड् डी.एन.ए.) : उक्त तकनीक में चीज का मिश्रण किया जाता है जो नमूनों के साथ प्रकाश भी देता है। यह वस्तु एच.आई.वी. कण के साथ जुड़ जाता

है। प्रकाश की मात्रा को मापा जाता है एवं उसे वाइरल संख्या में परिवर्तित किया जाता है। बेयर ने इस जांच को उत्पन्न किया।

- एन.ए.एस.बी.ए. (न्युक्लिक एसिड सीक्वेन्स बेस्ड एम्पलिफिकेशन) : तकनीक वाइरल प्रोटीन का विस्तार करता है यह संख्या निकालने के लिए है। यह बायो मेरिउकस द्वारा बनाया गया है।

विभिन्न जांच पद्धति अकसर एक ही नमूनों का विभिन्न परिणाम देते है। क्योंकि सभी जांच भिन्न है, आपको अपने वायरल भार समयानुसार जानने के लिए एक ही तरह के जांच से जुड़े रहना चाहियें।

सी.डी.4 काउंट की बजाये वायरल लोड के आधार पर रोगियों की मॉनीटरिंग (अनुश्रवण) उपचार विफलता के सही और सटीक संकेतक प्रदान करती है। इसके साथ ही यह जांच चिकित्सीय परिणामों में सुधार लाती है क्योंकि दूसरी पंक्ति की एआरटी शीघ्र ही शुरू कर दी जाती है और दवा–प्रतिरोधी म्यूटेशंस के संचय में कमी लाती है।

अवसरवादी संक्रमण (Opportunistic Infection)

हमारे शरीर में बहुत सारे जीवाणु होते है, जैसे बैक्टेरिया, कवक एवं विषाणु। जब हमारा रोगप्रतिरोधक तंत्र कार्य कर रहा होता है तो वह इन विवाणुओं को नियंत्रित करता है। परन्तु जब रोगप्रतिरोधक तंत्र एच.आई.वी. रोग से या दवाईयों से कमज़ोर पड़ जाता है तो ये जीवाणु नियंत्रण से बाहर हो जाते है तथा स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनते है। ऐसे संक्रमण जो रोगप्रतिरोधक रक्षा तंत्र की कमजोरी का लाभ उठाते हैं उन्हें अवसरवादी संक्रमण (अपॉरचुनिस्टिक इनफैक्शनस) कहते हैं। इसके सबसे सामान्य निम्नलिखित प्रकार हो सकते है :–

- कैडीडिआसिस (थ्रश) : मुंह, गले अथवा योनी में होने वाला कवक सक्रमण है। यह शरीर में अधिक सी.डी.4 कोशिकाओं की संख्या होने पर भी हो सकता है।
- साइटोमैगालोवायरस (CMV) : विशाणु से होने वाला संक्रमण है जिससे आँख का रोग होने पर नेत्रहीनता हो सकती है।
- हरपीस सीम्पलैक्स विषाणु से मुह में होने वाला हरपीस (ठंडे घाव) या लिंग का हरपीस हो सकता है। यह बहुत ही सामान्य से होने वाले संक्रमण हैं, लेकिन यदि आपको एच. आई.वी. है तो यह और भी ज्यादा एवं गंभीर रूप से हो सकता है। यह संक्रमण सी.डी.फोर कोशिकाओं किसी भी संख्या पर हो सकता है।
- मलेरिया विकासशील विश्व में सामान्य है। यह एच.आई. वी. के साथ जी रहे लोगों में बहुत ही सामान्य तथा गंभीर रूप से होता है।
- माईकोबैक्टिरीयम एवियम कॉम्पलेक्स – यह बैक्टेरीया से होने वाला संक्रमण है जिसके कारण बार–बार बुखार आ सकता है, बीमार होने का आभास होता है, पाचन क्रिया में समस्या आती है, तथा गंभीर रूप से वज़न कम होता है।
- तपेदिक (टी.बी.) बैक्टेरीया से होने वाला संक्रमण है जो कि फेफड़ों, ग्रंथियों तथा शरीर के अन्य अंगो पर आक्रमण करता है। भारत में एच.आई.वी. के साथ जी रहे लोगों में तपेदिक सबसे सामान्य सहसंक्रमण है।

एआरटी के सेवन के आरम्भ में होने वाले दुष्प्रभाव :–

कुछ दवाए जिनमें ए.आर.टी. भी शामिल है, उपयोगी है लेकिन उनके कुछ दुष्प्रभाव भी हो सकते है। आपके लिए आवश्यक है कि आपको उन दुष्प्रभावों की जानकारी हो एवं उनसे निपटना आता हो, आप खतरे वाले प्रभावों को पहचान सके एवं चिकित्सकीय सहायता लें। ज्यादातर दुष्प्रभाव जान लेवा नही होते हैं। वो कुछ हफ्तों के लिए होते हैं और फिर धीरे–धीरे कम होते जाते हैं और शरीर उनका आदी हो जाता है। अलग अलग एआरटी दवाओं के अलग अलग दुष्प्रभाव होते है।

सामान्य तौर पर एआरटी से होने वाले दुष्प्रभाव हैं :–

(क) सिरदर्द (ख) मुँह सूखना (ग) त्वचा पर दाने (घ) दस्त रोग (ड.) एनीमिया (खून की कमी) (च) चक्कर आना (छ) बाल झड़ना (ज) हाथ या पैरों में झनझनाहट या दर्द (झ) मितली और उल्टी (डा) असामान्य या बुरे सपने (ट) थकान महसूस होना (ठ) उदासी या चिंता।

एआरटी लेने वाले व्यक्तियों को इन सभी दुष्प्रभावों का सामना नही करना पड़ सकता है। सामान्यता: व्यक्ति को इनमें से एक या दो दुष्प्रभाव हो सकते है पर सारे दुष्प्रभाव एक साथ नही हो सकते।

एचआईवी/एड्स के साथ जी रहे लोगों (पी.एल.एच. ए) की देखभाल, सहायता और इलाज के अंतर्गत दी जाने वाली मुख्य सेवाओं में निम्नलिखित शामिल हैं :–

- ए.आर.टी. केन्द्रों पर पी.एल.एच.ए. के लिए पूर्व–पंजीकरण और ए.आर.टी. पूर्व सेवाएं
- ए.आर.टी. की पात्रता का निर्धारण शारीरिक परीक्षण तथा सीडी–4 गणना के आधार पर निःशुल्क दवा का प्राविधान।
- प्रथम श्रेणी ए.आर.टी. का प्रावधान सभी पात्र पी.एल.एच.ए और सी.एल.एच.ए. के लिये।
- दवा अनुपालन की समीक्षा द्वारा ए.आर.टी. का फालो–अप, नियमित रूप से एआरटी केन्द्र जाना और लगातार आवश्यक परीक्षण और सीडी–4 की गणना (हर 6 महीने में) करना।
- अवसरवादी संक्रमण उपचार।
- पहली पंक्ति और दूसरी–पंक्ति ए.आर.टी. का प्रावधान उनके लिये जो दवा दुष्परिणाम और उपचार विफलता का अनुभव कर रहे हों।

एंटी रेट्रो थैरपी केन्द्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य एच.आई.वी. सक्रमित व्यक्तियों को एंटी रेट्रो वायरल (ए.आर.टी) उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना है। उक्त केन्द्र में एच.आई.वी/एड्स पीड़ितों को एंटी रेट्रो वायरल दवाएं निःशुल्क प्रदान की जाती है। एच.आई.वी. के विषाणु संक्रमित व्यक्ति के रक्त में वृद्धि करते हैं। विषाणु रक्त में सीडी–4 कोशिकाओं (रोग प्रतिरोधक प्रणाली) को नष्ट करते है। एंटी रेट्रो वायरल दवाएं लेने से रोगी की आयु तो बढ़ जाती है, लेकिन उसे रोग मुक्त नहीं किया जा सकता।

ए.आर.टी. केन्द्र में प्रत्येक 6 माह में एक बार सक्रमित व्यक्ति की सी.डी.4 कोशिका की जांच की जाती है साथ ही परामर्श के जरिये अवसरवादी सक्रमण को रोकने की जानकरी तथा आहार–पोषण से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की जाती है। अवसरवादी सक्रमण (Opportunistic Infection) की उपचार सुविधा प्रदान की जाती है।

केन्द्र में पंजीकृत व्यक्ति को प्रथम श्रेणी दवा (First Line Drugs) प्रदान की जाती है, वर्तमान दवा के दुष्परिणाम (Side effect) और उपचार में विफलता के पता चलने के बाद रोगी को द्वितीय श्रेणी दवा (Second Line Drugs) आरम्भ की जाती है। जिसके लिए अब तक रोगियों को नई दिल्ली सन्दर्भित किया जाता रहा है परन्तु वर्तमान में दून चिकित्सालय, देहरादून में भी उक्त सुविधा आरम्भ की जा चुकी है।

एच.आई.वी. पॉजिटिव व्यक्तियों को निःशुल्क ए.आर.टी. की दवा एवं अन्य सुविधायें प्रदान करने के लिए उत्तराखण्ड में स्थापित केन्द्र

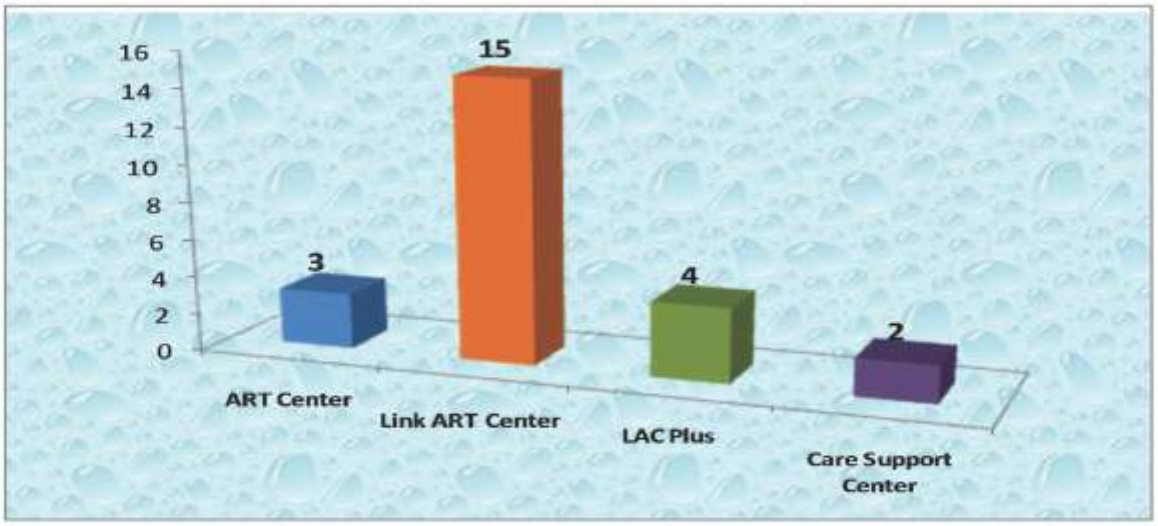

प्रदेश में तीन ए.आर.टी. (एंटी रेट्रोवायरल थैरपी) दून चिकित्सालय, देहरादून, डॉ0 सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय, हल्द्वानी (नैनीताल)। जिला चिकित्सालय, पिथौरागढ़ केन्द्र स्थापित है।

उत्तराखण्ड में स्थापित ए.आर.टी. केन्द्रों में मार्च 2016 तक पंजीकृत एवं दवा प्राप्त व्यक्तियों की संख्या निम्नानुसार है :–

S. No.	Name of the ART Center	Report Duration	Patients on Pre-ART (HIV Care)	Patients Ever started on ART	Patients currently on_ART
1.	Doon Hospital, Dehradun	Aug. 2006 to Mar., 2016	**3013**	**2161**	**1502**
2.	Dr. S.T.G. Hospital, Haldwani, Nainital	Apr., 2010 to Mar., 2016	**1770**	**1381**	**921**
3.	Distt. Hospital, Pithoragarh	Jan., 2015 to Mar., 2016	**191**	**131**	**123**
Total			**4974**	**3673**	**2546**

ए.आर.टी. केन्द्रों में मार्च 2016 तक पंजीकृत 4179 व्यक्ति तथा ए.आर.टी. दवा प्राप्त कुल 2546 रोगियों का जनपदवार ब्यौरा

जनपद	ए.आर.टी. केन्द्रों पर जीवित पंजीकृत व्यक्ति	(मृत्यु घटाकर)जीवित रोगी जो ए.आर.टी. की दवा का सेवन कर रहे है।		
	कुल	व्यस्क	शिशु	कुल
अल्मोड़ा	178	104	6	110
बागेश्वर	132	97	9	106
चमोली	123	74	13	87
चम्पावन	101	64	5	69
देहरादून	857	511	27	538
हरिद्वार	474	267	11	278
नैनीताल	335	160	13	173
पौड़ी	217	142	12	154
पिथौरागढ़	276	126	20	146
रूद्रप्रयाग	153	79	9	88
टिहरी	310	182	16	198
उधम सिह नगर	468	257	14	271
उत्तरकाशी	72	45	3	48
अन्य राज्य	483	265	15	280
कुल योग	**4179**	**2373**	**173**	**2546**

वित्तीय वर्ष 2015–16 में ए.आर.टी. केन्द्रों कुल 563 नये पंजिकरण किये गये, जिसका केन्द्रवार विवरण निम्नानुसार है :–

Number of new PLHIV Registered in HIV care during this Financial Year 2015-16						
Name of the ART Centre	Adult			Children		Total
	Male	Female	TS/TG	Male	Female	
ARTC, Doon Hospital Dehradun	179	109	2	7	9	**306**
ARTC, Dr. Sushila Tiwari Govt. Hospital, Haldwani (Nainital)	120	84	1	11	4	**220**
FI-ART, District Hospital, Pithoragarh	17	17	0	2	1	**37**
Grand Total	**316**	**210**	**3**	**20**	**14**	**563**

वित्तीय वर्ष 2015–16 में ए.आर.टी. केन्द्रों कुल 485 नये रोगियों की दवा आरम्भ की गयी, जिसका केन्द्रवार विवरण निम्नानुसार है :–

New HIV Positive people started ART drugs during the Financial Year 2015-16						
Name of the ART Centre	Adult			Children		Total
	Male	Female	TS/TG	Male	Female	
ARTC, Doon Hospital Dehradun	139	87	3	7	3	**239**
ARTC, Dr. Sushila Tiwari Govt. Hospital, Haldwani (Nainital)	107	93	1	9	7	**217**
FI-ART, District Hospital, Pithoragarh	12	10	0	5	2	**29**
Grand Total	**258**	**190**	**4**	**21**	**12**	**485**

वित्तीय वर्ष 2015–16 में प्रदेश में स्थापित ए.आर.टी. केन्द्रों में पंजिकृत एवं दवा प्राप्त नये रोगियों का माहवार विवरण :–

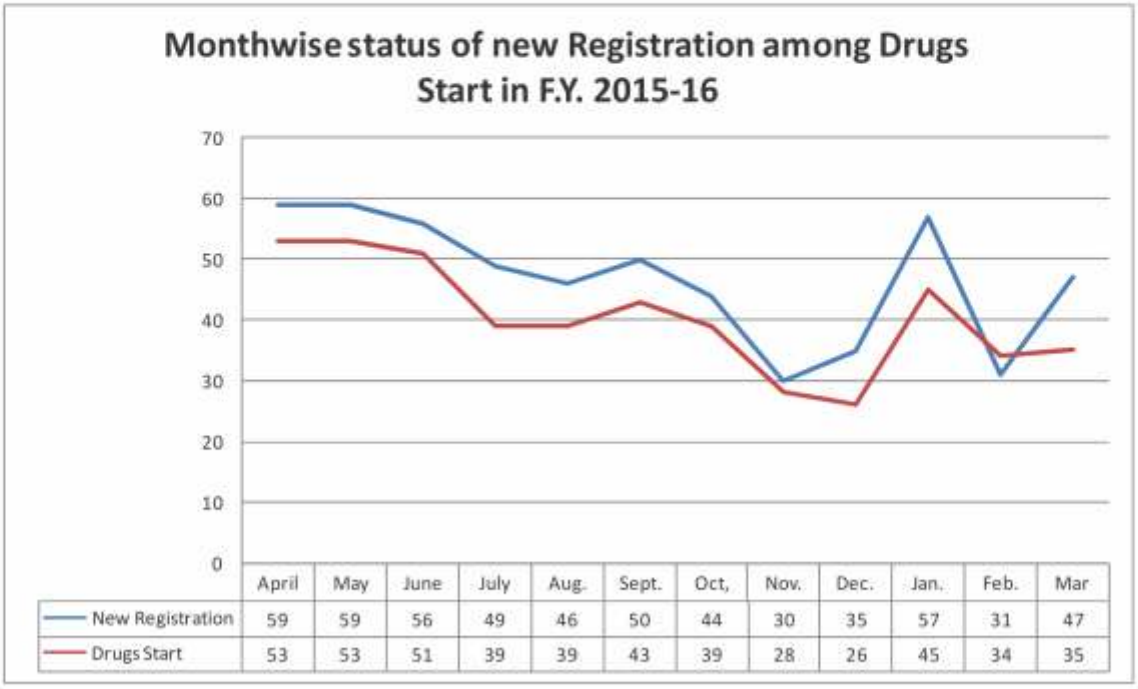

	April	May	June	July	Aug.	Sept.	Oct,	Nov.	Dec.	Jan.	Feb.	Mar
New Registration	59	59	56	49	46	50	44	30	35	57	31	47
Drugs Start	53	53	51	39	39	43	39	28	26	45	34	35

लिंक ए.आर.टी. केन्द्र (Link ART Center)

ए.आर.टी. की दवा लेने हेतु व्यक्तियों को ए.आर.टी. केन्द्र में आने के लिए अधिक दूरी की यात्रा करना पड़ती है। चूंकि यह उपचार जीवन भर चलाना अनिवार्य है और निर्धारित औषधियां माह में एक बार वितरित की जाती है, और औषधि हेतु संक्रमित व्यक्ति को हर बार ए.आर.टी. केन्द्र में आना पड़ता है। इन सभी समस्याओं को मध्यनजर रखते हुए नाको–भारत सरकार द्वारा ए.आर.टी. की दवा प्रदान करने का एक विकल्प निकाला है, जो लिंक ए.आर.टी. केन्द्र के नाम से जाना जाता है। वर्तमान में प्रदेश मे कुल 15 लिंक ए.आर.टी. केन्द्र कार्यशील है। उक्त केन्द्रों में कुल 456 व्यक्ति दवा प्राप्त कर रहे है, जिनका केन्द्रवार विवरण निम्नानुसार है :–

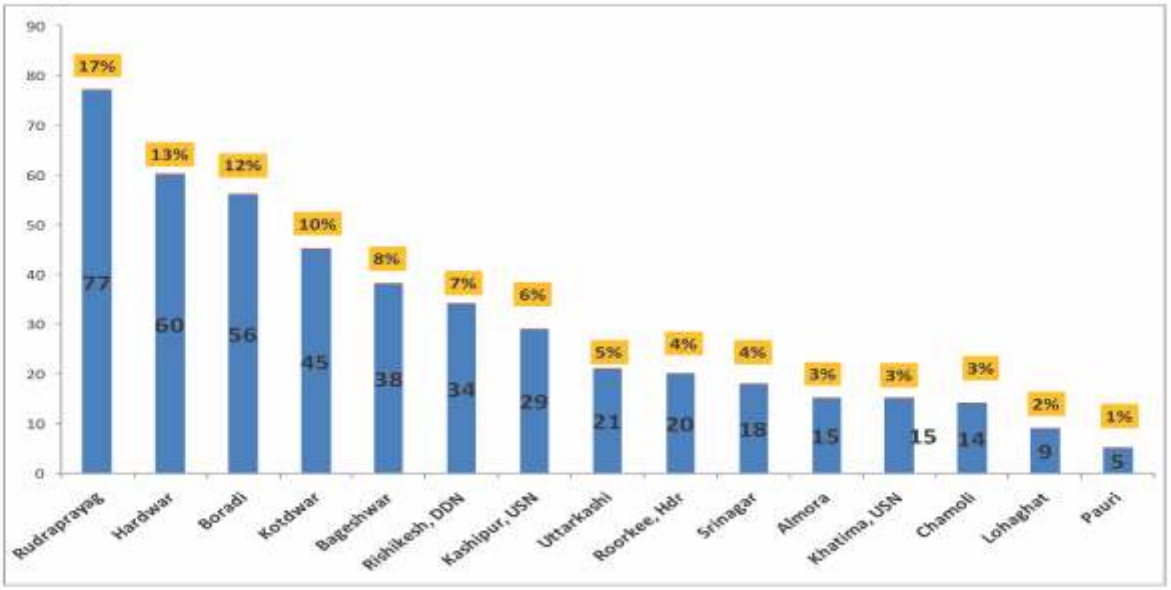

लैब सर्विसेज़ अनुभाग

स्टेट रेफरेन्स लैबोरेट्री (एस0आर0एल0) हिमालयन इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्स, स्वामी रामनगर, डोईवाला, देहरादून में स्थापित की गयी है जिसमें प्रत्येक आई0सी0टी0सी0 से त्रैमासिक EQUAS (External Quality Assurance Sample) हेतु त्रैमास के प्रथम सप्ताह के 5 प्रतिशत ऋणात्मक एवं 20 प्रतिशत धनात्मक रक्त नमूने भेजे जाते है जिससे आई0सी0टी0सी0 में की गयी जाँच की गुणवत्ता बनी रहे।

ई०आई०डी० सेन्टर (अर्ली इन्फेंट डायग्नोसिस सेन्टर)

क्रमं सं	जिला	स्वास्थ्य केन्द्रों के नाम	पद का नाम	कर्मियों के नाम
1.	देहरादून	दून महिला चिकित्सालय, देहरादून (पी.पी.टी.सी.टी.)	श्रीमती भारती उनियाल	परामर्शदाता
			श्रीमती सीमा जोशी	परामर्शदाता
2.	हरिद्वार	जिला महिला चिकित्सालय (पी.पी.टी.सी.टी.)	कु0 नमता	परामर्शदाता
3.	पौड़ी	जिला महिला चिकित्सालय, पौड़ी (पी.पी.टी.सी.टी.)	कु0 निधि बिष्ट	परामर्शदाता

समाचार पत्रों की सुर्खियाँ

आई.ई.सी. सामग्री

यौनजनित रोग
कुछ आवश्यक जानका
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियन्त्रण समिति द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की एक झलक
एच.आई.वी. की मुफ्त सलाह व जाँच के लिए अपने निकट के सरकारी अस्पताल के एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केन्द्र (आई.सी.टी.सी.) पर सम्पर्क करें। इस जाँच की रिपोर्ट गोपनीय रखी जाती हैं।
USACS
इनसे एच.आई.वी./ एड्स नहीं होता है।
सही जानकारी ही बचाव है।
सुरक्षा क्लीनिक
मुस्कुराते हुए रक्तदान कीजि
और
जीवन बचाइये
आज मैंने रक्तदान किया। मैं खुश हूँ।
एच.आई.वी. व एड्स
कुछ बुनियादी जान
वार्षिक प्रतिवेदन
2014-15
USACS
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून
हीमोफीलि

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति में तैनात समस्त अधिकारी/कर्मचारियों की सूची

क्र0सं0	नाम	पद नाम	फोन नं0
1	डा0 नीरज खैरवाल	परियोजना निदेशक	0135–2608885
2	डा0 विनोद सिंह टोलिया	अपर परियोजना निदेशक	9410943720
3	श्री अनिल कुमार सती	संयुक्त निदेशक, आई0ई0सी0	9412349197
4	श्री एम0पी0 सती	उप निदेशक (वित्त)	7500047779
5	श्री संजय बिष्ट	उप निदेशक (टी0आई0)	9012100044
6	श्री गगनदीप लूथरा	सहायक निदेशक (मॉनीटरिंग एण्ड इवैल्यूएशन)	9897604375
7	श्री डी0के0 गुप्ता	सहायक निदेशक (वित्त)	9897055969
8	श्री रमेश चन्द्र बलोदी	सहायक निदेशक (क्रय)	9410393690
9	श्री जसवन्त सिंह बिष्ट	स्टोर अधिकारी	7500758222
10	श्री प्रदीप हटवाल	सहायक निदेशक (क्वालिटी) रक्त संचरण सेवायें	8474909998
11	श्री सुरेन्द्र सिंह बिष्ट	लेखाकार	7500586555
12	श्री सुनील कुमार सिंह	सहायक निदेशक (आई0सी0टी0सी0)	9012240008
13	श्री ओम प्रकाश सिंह	सहायक निदेशक, (टी0आई0)	7500657555
14	श्री सौरभ सहगल	सहायक निदेशक (डाक्यूमेन्टेशन एण्ड पब्लिसिटी)	8393888894
15	श्री मुकेश कुमार चनालिया	प्रोक्योरमेन्ट सहायक	7500706555
16	श्रीमती सोनम रावत	कम्प्यूटर लिटरेट स्टैनो	9536772244
17	श्रीमती निधि डंडरियाल	कम्प्यूटर लिटरेट स्टैनो	7500778777
18	श्री जयकृत सिंह	अनुभाग सहायक	9761716126
19	श्री सुशील पैन्युली	अनुभाग सहायक	7500670111
20	श्री जगदीश अधिकारी	अनुभाग सहायक	9634499741
21	श्री विनोद कुमार	अनुभाग सहायक	8126092022
22	श्रीमती मीनाक्षी भण्डारी	अनुभाग सहायक	7500205554
23	श्री बिरेन्द्र सिंह बिष्ट	अनुभाग सहायक	7351228999
24	श्री अजय सुन्दरियाल	अनुभाग सहायक	9997291412
25	श्री शिवप्रकाश धस्माना	अनुभाग सहायक	9690662713
26	श्री दिगम्बर सुन्द्रियाल	अनुभाग सहायक	9997763906

क्र0सं0	नाम	पद नाम	फोन नं0
27	श्री प्रदीप सती	अनुभाग सहायक	9412409435
28	श्री बहादुर चन्द	वाहन चालक	9411153839
29	श्री गणेश गुरूंग	वाहन चालक	9897493850
30	श्री हरीश सिंह नेगी	मैसेन्जर	9897933708
31	श्रीमती सोनी भटट्	जूनियर एकाउन्टैन्ट असिस्टेन्ट, एस0बी0टी0सी0	9634431418
32	श्रीमती शकुन्तला सेमवाल	कार्यालय सहायक एल0डी0सी0, एस0बी0टी0सी0	9458974880
33	श्री उमेद सिंह कठैत	वाहन चालक एस0बी0टी0सी0	9837779568
34	श्री प्रवीन कुमार	अनुसेवक, एस0बी0टी0सी0	8936988501
35	श्री अनिल दत्त भट्ट	अनुसेवक, एस0बी0टी0सी0	9634703634
36	श्री देवेन्द्र चन्द	चतुर्थ श्रेणी	9458125929
37	श्री कल्याण राम	चतुर्थ श्रेणी	7500777445
38	श्री मंगल प्रसाद उनियाल	चतुर्थ श्रेणी	9627229101

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अन्तर्गत कार्यरत गैर सरकारी संस्थाओं (NGOs) की सूची (2015-16)

क्र. स.	जनपद	संस्था का नाम	पता	परियोजक निदेशक का नाम एवं फोन न.
1.	अल्मोड़ा	ग्रामीण समाज कल्याण समिति	तल्ला चिनाखान, अल्मोड़ा	श्री गोपाल सिंह चौहान, 9412436325
2.	बागेश्वर	ग्रामीण उत्थान समिति	ग्राम एवं कपकोट, तहसील–कपकोट, जिला बागेश्वर प्रोजेक्ट आफिसः कैलखुरिया, पिण्डारी रोड़, पाण्डे निवास, बागेश्वर	श्री उमेश जोशी 9412925990
3.	चम्पावत	एसोशिएसन फार पीपल एडवान्समेन्ट एण्ड एक्शन रिसर्च	C/o श्री अशोक तिवारी, चण्डी चण्डी नगर, कारकी फार्म, आम बाग, टनकपुर, चम्पावत	श्री सुभाष जोशी, 9634566787
4.	देहरादून	हर्बटपुर, क्रिश्चियन हास्पिटल	C/o कमलजीत कम्बोज, 38/64 बकरालवाला, नेशविला रोड़, देहरादून।	श्री राबर्ट कुमार, 01360–250260, 9412050738
5.		सोसाइटी फार वालेण्ट्री एप्रोच इन रूरल डेवलपमेन्ट एक्शन	इन्दरपुर, पो0ओ0–बद्रीपुर, देहरादून–248005। प्रोजेक्ट आफिसः दीप नगर, देहरादून।	श्री जी0एन0एस0 गुरूदत्त, 9412059310
6.		बालाजी सेवा संस्थान	लेन नं0–सी–18, टर्नर रोड़, क्लेमेनटाउन, देहरादून। प्रोजेक्ट आफिसः हाउस नं0– 127, सुभाष नगर, चन्द्रबनी चौक, देहरादून।	श्री अनूप जौहर, 9412004245
7.		सोसाइटी फार एनवायरनमेंट एण्ड डेवल्पमेंट	30/1 धर्मपुर, देहरादून।	श्रीमती कुसुम घिल्डियाल, 01356536099 9412027279, 9412325403
8.		फ्रैन्ड्स आफ सोसियो डेवल्पमेंट सोसायटी	चकराता रोड़, नियर हिल व्यू होटल, त्यूनी, ब्लाक–चकराता, जनपद– देहरादून।	श्री अखिलेश ब्यास 9412952797
9.	हरिद्वार	फोरम फार रूरल इन्फास्ट्रक्चुअल इन्वायरमेन्ट एण्ड नेशनल डेवलपमेन्ट सोसाइटी	म0नं0–344, एम.आई.जी., विवेक विहार कालोनी, ज्वालापुर, हरिद्वार	श्री ए0के0 शर्मा 9412073651, 01334–224275
10.		हिमालयन इन्सटिट्यूट फार रूरल अवेकनिंग	राजन ठाकुर हाउस, बिहाइन्ड काली मन्दिर, सुनहरा रोड़, रूड़की, जनपद–हरिद्वार।	श्री दिलीप कुमार सिंह 9412989157

11.		आदर्श युवा समिति	लक्सर रोड़, जगजीतपुर, पोस्ट–कनखल, जनपद–हरिद्वार।	श्री लखबीर सिंह, 9719008423
12.		चौखम्बा	लांबा लौज, फैन्ड्स कालोनी, रावली महदूत, सिडकुल, पो0ओ0 शिवालिक नगर, हरिद्वार – 249403	श्री आलोक डंगवाल 9411536300
13.		ट्रकर्स कार्पोरेशन आफ इण्डिया फांउडेशन	H.O.-C/o श्री मोहनन पिल्लई (Mr. Mohanan Pillai), Manager HR & Admin ट्रकर्स कार्पोरेशन ऑफ इण्डिया फांउडेशन टी0सी0आई0 हाउस, 69 इन्स्टिट्यूशनल एरिया, सैक्टर – 32, गुडगांव हरियाणा। प्रोजेक्ट आफिसः सुरक्षा खुशी क्लीनिक (टी0आई0), मलिक काम्पलेक्स, सलेमपुर चौक, बहादराबाद, हरिद्वार, उत्तराखण्ड।	श्री मुनीष चन्दर 9643208622, 0124–2381–603607
14.	नैनीताल	मॉटिवेशनल इन्सटिट्यूट फार ट्रेनिंग एण्ड रिइनफोर्समेन्ट	देव विहार, गली नं0–10, मल्ला लोहारियासाल, उंचा पुल हल्द्वानी, नैनीताल। प्रोजेक्ट आफिसः रतन कुंज, पाण्डे निवास, जेल रोड़ चौराहा, हल्द्वानी।	श्री सुरेश अधिकारी 9720108672
15.		धरोहर विकास संस्थान	बिथौरिया नं0 1, नियर नौर्थ हिल एकेडमी स्कूल, विकास नगर, हल्द्वानी, नैनीताल।	श्री नकुल पाण्डे 8057538922
16.		लोक चेतना मंच	विकास नगर, नियर जी0आई0सी0 नारायण नगर, कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी, नैनीताल।	श्री के0एन0 दृमका 9410936928
17.		देवरिषि एजुकेशनल सोसायटी	प्रोजेक्ट आफिसः प्रभाष मियां अंसारी, लाइन नं0 16, नियर पानी की टंकी, हल्द्वानी, नैनीताल।	श्रीमती हरनीत नारंग 9412058770
18.		दानपुर हिमालयन रूरल एण्ड एग्रीकल्चरल सोसायटी	**H.O.-** दानी भवन,नियर मुखानी चौराहा, कालाढूंगी रोड़, हल्द्वानी। प्रोजेक्ट आफिसः लखनपुर चौराहा, नियर सी0एस0डी0 कैन्टीन, राम नगर, नैनीताल।	श्री बिशन सिंह रजवार, 05945–268143, 9456553881,
19.		ग्रामीण विकास एवं शोध संस्था	ग्राम एवं पो0–नकटपुरा, वाया किच्छा, उधमसिंह नगर, प्रोजेक्ट आफिस–नियर गुरूद्वारा, टी0एस0एल0(लालकुवां) नैनीताल।	श्री डी0एन0 सिंह 9837373673

20.	पिथौरागढ	पर्वतीय अरण्य सेवा एवं विकास संस्थान	पुलिस लाईन रोड़, कुमौर, पिथौरागढ़। प्रोजेक्ट आफिसः जी0आई0सी0 रोड़, नियर लैड बैंक(LEAD BANK), पिथौरागढ़।	श्री पंकज कुमार कांडपाल, 9412045085
21.		स्वाती ग्रामोद्योग संस्थान	धारचुला रोड़, पिथौरागढ़। प्रोजेक्ट आफिसः दया निवास, धारचुला रोड़, पिथौरागढ	श्री राजेन्द्र सिंह बिष्ट 05964–224098, 9412095668
22.		मानव एवं पर्यावरण विकास समिति	सिनेमा लाइन निकट डाकघर, टकाना रोड़, पिथौरागढ़	श्री घनश्याम पन्त 7579051568
23.	पौड़ी	ग्रामीण हिमालय अध्ययन एवं संरक्षण संस्था	नियर झूला पुल, रतनपुर, ग्प0 व पो0 खुम्मीचौर, कोटद्वार, पौड़ी।	श्री कुलदीप सिंह गुसांई 9411357466, 9675287507
24.		ज्योत्सना ग्राम विकास उद्योग समिति	ग्राम एवं पो0–खानपुर, नं0–1, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर। प्रोजेक्ट आफिस– हाउस नं0– 119, विकास नगर, गड़ीघाट, कोटद्वार, जनपद पौड़ी	श्री ज्ञान प्रकाश दुबे 9412969941
25.	टिहरी	महिला सेंवा समिति	H.O.- ग्राम व पोस्ट– घनसाली, जनपद टिहरी गढ़वाल। प्रोजेक्ट आफिस– नियर बाल विकास आफिस, सूक्तियाना, थत्यूड़, टिहरी।	श्रीमती अनीता भट्ट, 9411142118
26.	उधमसिंह नगर	पर्यावरण एवं जन कल्याण समिति	ग्राम– बंडिया, पोस्ट– किच्छा, उधमसिंह नगर। प्रोजेक्ट आफिसः जयन्त शाह, 12 ठाकुर नगर, ट्रांजिट कैम्प, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर।	श्री सी0पी0 सिंह, 07500134436
27.		अवोर्ड ग्राम्य विकास शिक्षा समिति	ग्राम– बंडिया, पोस्ट– किच्छा, उधमसिंह नगर। प्रोजेक्ट आफिसः नियर बैक आफ बड़ौदा, दिनेशपुर, उधमसिंह नगर।	श्री अजीत श्रीवास्तव, 9458159911
28.		इंडियन इन्स्टिट्यूट फार मॉनिटरिंग ऑफ पोल्यूशन, एग्रीकल्चरल रिसर्च एण्ड टैक्नोलॉजी ट्रांसफर	हल्द्वानी बाईपास रोड़, किशनपुर, किच्छा, उधमसिंह नगर प्रोजेक्ट आफिसः एम0आई0जी0 86, आवास विकास कालोनी, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर	श्री श्यामनारायण दुबे 8057969756
29.		कुमाऊं सेवा समिति	नियर सितार इन्टरनेशनल होटल, सिडकुल रोड़, सितारगंज, उधमसिंह नगर।	कु0 जया मिश्रा, 9411168213

30.		परिधि सेवा संस्थान	इन्द्रा कालोनी, स्ट्रीट नं0–2, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर। प्रोजेक्ट आफिसः काशीपुर, रामनगर रोड़, नियर नोकिया केयर, उधमसिहं नगर।	श्री जावेद 9058062470
31.		इंस्टिट्यूट आफ सोसल डेवल्पमेंट	H.O.- हल्द्वानी बाईपास रोड़, किशनपुर किच्छा, उधमसिंह नगर। प्रोजेक्ट आफिसः वार्ड न0 8, नन्दाविहार कालोनी, नियर राधास्वामी सत्संग ब्यास, सितारगंज, उधमसिंह नगर।	श्री अमित कुमार श्रीवास्तव, 9927066957, 9219442226
32.		ट्रकर्स कार्पोरेशन आफ इण्डिया फांउडेशन	H.O.-C/o श्री मोहनन पिल्लई (Mr. Mohanan Pillai), Manager HR & Admin ट्रकर्स कार्पोरेषन आफ इण्डिया फांउडेशन (TCIF) टी0सी0आई0 हाउस, 69 इन्स्टिट्यूशनल एरिया, सैक्टर–32, गुड़गांव, हरियाणा। प्रोजेक्ट आफिसः सुरक्षा खुशी क्लीनिक (ट्रकर्स टी0आई0), सिडकुल ब्रिज के नीचे, अटारिया मन्दिर रोड, जगतपुरा रूद्रपुर उधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड।	श्री मुनीष चन्दर 9643208622 0124–2381–603607
33.		आदर्श सेवा संस्था	लेन नं0–2, इन्द्रा कालोनी, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर। प्रोजेक्ट आफिसः वार्ड न0–8, रामपुरा, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर।	श्रीमती सीमा श्रीवास्तव 05944. 247656 09012504835
34.		पर्यावरण एवं जन कल्याण समिति (मांइग्रेंट)	**H.O.-** ग्राम– बंडिया, पोस्ट– किच्छा, उधमसिंह नगर प्रोजेक्ट आफिसः वार्ड न0–5, नियर सांई मन्दिर, खेरा कालोनी, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर	श्री सी0पी0 सिंह, 07500134436

उत्तराखण्ड राज्य में निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्रों में स्थापित रक्तकोषों की स्थिति

कुल रक्तकोषों की संख्या – 27

नाको सहायतित रक्तकोषों की संख्या – 19

क्र.सं.	जनपद	रक्तकोष का नाम	स्थिति
1	देहरादून	मॉडल ब्लड बैंक दून चिकित्सालय, देहरादून (ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)	राज्य सरकार
2		एस.पी.एस. राजकीय चिकि0, ऋषिकेश, देहरादून	राज्य सरकार
3		आई.एम.ए. रक्तकोष, देहरादून (ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)	पी.पी.पी.
4		एच.आई.एच.टी. जौलीग्रांट, देहरादून(ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)	प्राईवेट
5		श्री महन्त इन्द्रेश चिकित्सालय, देहरादून (ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)	प्राईवेट
6		सैनिक चिकित्सालय, देहरादून	केन्द्र सरकार
7		मैक्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, देहरादून (ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)	प्राईवेट
8	ऊधमसिंह नगर	जे0एन0एन0 जिला चिकित्सालय, रूद्रपुर	राज्य सरकार
9		एल0डी0 भट्ट चिकित्सालय, काशीपुर (ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)	राज्य सरकार
10		श्री कृष्णा हॉस्पिटल, काशीपुर	प्राईवेट
11		जीवन रेखा चिकित्सालय, काशीपुर, (ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)	प्राईवेट
12	चमोली	जिला चिकित्सालय, गोपेश्वर	राज्य सरकार
13	हरिद्वार	एच0एम0जी0 जिला चिकित्सालय, हरिद्वार	राज्य सरकार
14		संयुक्त चिकित्सालय, रूड़की	राज्य सरकार
15		सैनिक चिकित्सालय, रूड़की	केन्द्र सरकार
16		बी.एच.ई.एल. चिकित्सालय, हरिद्वार	केन्द्र सरकार
17		रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम, हरिद्वार	प्राईवेट
18	नैनीताल	बी0डी0 पाण्डे जिला चिकित्सालय, नैनीताल	राज्य सरकार
19		एस.एस.जे. बेस चिकित्सालय, हल्द्वानी	राज्य सरकार
20		डॉ0 सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय हल्द्वानी(ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)	राज्य सरकार
21	पिथौरागढ़	जिला चिकित्सालय, पिथौरागढ़	राज्य सरकार
22	अल्मोड़ा	जिला चिकित्सालय, अल्मोड़ा	राज्य सरकार
23		गो0सि0 माहरा चिकित्सालय, रानीखेत	राज्य सरकार
24	पौड़ी	बेस चिकित्सालय, श्रीनगर पौड़ी	राज्य सरकार
25		जिला चिकित्सालय, पौड़ी	राज्य सरकार
26		संयुक्त चिकित्सालय, कोटद्वार	राज्य सरकार
27	उत्तरकाशी	जिला चिकित्सालय, उत्तरकाशी	राज्य सरकार

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा स्थापित सुरक्षा क्लिनिक (Designated STI/RTI Clinic)

क्र.स.	जनपद	परामर्शदाता का नाम	स्थापित सुरक्षा क्लिनिक	मोबाईल	ई–मेल
1	अल्मोड़ा	सुश्री हेमलता भट्ट	जिला चिकित्सालय, अल्मोड़ा	9412306534	Hemlatabhatt99@gmail.com
2		श्रीमती गरिमा मेहरा	राजकीय बेस चिकित्सालय, अल्मोड़ा	9411761266	garimamehraalmora@gmail.com
3		श्रीमती दीपा आर्या	संयुक्त चिकित्सालय रानीखेत, अल्मोड़ा	9458324678	dsrcranikhet@gmail.com
4	बागेश्वर	श्रीमती गीता पाठक	जिला चिकित्सालय, बागेश्वर	9568936941	ictcbageshwar@gmail.com
5	चमोली	श्रीमती प्रतिभा पंवार	जिला चिकित्सालय, गोपेश्वर	9410970877	panwarpratib@gmail.com
6	चंपावत	श्रीमती सरोजनी बिष्ट	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लोहाघाट	8126760772	dsrchlohaghat@gmail.com
7	देहरादून	सुश्री अमिता	दून चिकित्सालय, देहरादून	9837017650	kumariamita01@gmail.com
8		श्री बिजेन्द्र सिंह	दून महिला चिकित्सालय, देहरादून	9456303285	stidfh06@gmail.com
9		श्री अमित गोयल	एच.आई.एच.टी. जौलीग्रांट, देहरादून	9412001705	stihihtmc@gmail.com
10		श्रीमती बीना रावत	एस0पी0एस0 संयुक्त चिकित्सालय, ऋशिकेश	8449044616	ictcspsrishikesh@gmail.com
11		श्रीमती आशा रावत	संयुक्त चिकित्सालय, प्रेमनगर	8533980779	asha31rawat@gmail.com
12		श्रीमती कृष्णा चौहान	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डोईवाला	9690051343	krishnastidoiwala456@gmail.com
13		श्री बालक राम न्यूली (लैब टैक्नीशियन)	एस.आर.सी. जौलीग्रांट, देहरादून।		
14	हरिद्वार	श्री राजन बडोनी	एच0एम0जी0 जिला चिकित्सालय, हरिद्वार	9837358537	badonijhony95@gmail.com
15		श्रीमती माधुरी	संयुक्त चिकित्सालय, रूड़की	9759151417	usacs.stirke@gmail.com
16	नैनीताल	श्रीमती किरण दीक्षित	बी0डी0 पाण्डे चिकित्सालय, नैनीताल	9411198434	kirandixit25@gmail.com
17		श्रीमती दीपा उपाध्याय	एस0एस0जे0 राजकीय बेस चिकित्सालय, हल्द्वानी	9568199710	deeptinaveenjoshi@yahoo.in
18		श्री चंद्र प्रकाश शर्मा	डॉ0 सुशीला तिवारी राजकीय मेडिकल कालेज, हल्द्वानी	9458358905	stihaldwani@gmail.com
19	पौड़ी	श्री संदीप भण्डारी	जिला चिकित्सालय, पौड़ी	7351316995	sandeepbhandari327@gmail.com
20		श्रीमती आरती बिष्ट	राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, कोटद्वार	9410722767	bisht.aarti05@gmail.com
21		श्रीमती कुसुम	राजकीय मेडिकल कालेज, श्रीनगर	9760047328	stibasesrinagar@gmail.com,
22	पिथौरागढ	सुश्री इन्द्रा खम्पा	जिला चिकित्सालय, पिथौरागढ़	9997374190	ikhampa98@yahoo.com
23		सुश्री अमिता जोशी	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डीडीहाट, पिथौरागढ़	7579103743	dsrcdidihat@gmail.com
24	रूद्रप्रयाग	श्रीमती सुमन राणा	जिला चिकित्सालय, रूद्रप्रयाग	9456580885	ranasuman86@gmail.com
25	टिहरी	श्री प्रेम लाल	संयुक्त चिकित्सालय, नरेन्द्रनगर, टिहरी	9568564305	premlal.rock07@gmail.com
26	उधमसिंह नगर	सुश्री आशा खत्री	जिला चिकित्सालय, रूद्रपुर	9719406631	akashakhatri9@gmail.com
27		श्रीमती चम्पा पंत	एल0डी0 भट्ट राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, काशीपुर	9756175015	champa.pant71@yahoo.com
28	उत्तरकाशी	श्रीमती साधना डिमरी	जिला चिकित्सालय, उत्तरकाशी	9412439514	stdcdsuttarkashi@gmail.com
29		श्रीमती पुष्पा रावत	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पुरोला, उत्तरकाशी	9634362757	stichcpurola@gmail.com, itctcchcpurola05@gmail.com

उत्तराखण्ड में स्थापित एकीकृत परामर्श एवं परिक्षण केन्द्र

क्रमं सं	जिला	स्वास्थ्य केन्द्रों के नाम	कर्मियों के नाम	पद का नाम
1	अल्मोड़ा	जिला चिकित्सालय, अल्मोड़ा	श्री नरेन्द्र सिंह चौहान	परामर्शदाता
2			श्री मनोज कुमार	लैब टैक्नीशियन
3		जिला महिला चिकित्सालय, अल्मोड़ा (पी.पी.टी.सी.टी.)	श्रीमती उर्मिला उपाध्याय	परामर्शदाता
4			श्री मनीष थपलियाल	लैब टैक्नीशियन
5		संयुक्त चिकित्सालय, रानीखेत	श्री मनोज कुमार पाठक	परामर्शदाता
6			श्रीमती रूचिता भण्डारी	लैब टैक्नीशियन
7		बेस चिकित्सालय, अल्मोड़ा	श्री प्रेम सिंह बिष्ट	परामर्शदाता
8			श्री पंकज कुमार थुवाल	लैब टैक्नीशियन
9	बागेश्वर	जिला चिकित्सालय, बागेश्वर	डॉ0 शैफाली शाह	परामर्शदाता
10			श्री महावीर सिंह कुंवर	लैब टैक्नीशियन
11		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बैजनाथ	श्रीमती मंजू पुरोहित	परामर्शदाता
12			श्री कमल किशोर त्रिपाठी	लैब टैक्नीशियन
13	चमोली	जिला चिकित्सालय, गोपेश्वर	डॉ0 हरीश प्रसाद मैखूरी	परामर्शदाता
14			श्री पुष्कर सिंह	लैब टैक्नीशियन
15		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कर्णप्रयाग	श्री कुशला नन्द भटट्	परामर्शदाता
16			श्री महावीर प्रसाद पालीवाल	लैब टैक्नीशियन
17	चम्पावत	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लोहाघाट	श्री निर्मल मुरारी	परामर्शदाता
18			श्री उमेद सिंह रावत	लैब टैक्नीशियन
19		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, टनकपुर	श्रीमती ज्योती जोशी	परामर्शदाता
20			श्री अजय कुमार शुक्ला	लैब टैक्नीशियन
21	देहरादून	दून चिकित्सालय, देहरादून		परामर्शदाता
22			श्री रणवीर सिंह बिष्ट	लैब टैक्नीशियन
23		दून महिला चिकित्सालय, देहरादून (पी.पी.टी.सी.टी.)	श्रीमती भारती उनियाल	परामर्शदाता
24			श्रीमती सीमा जोशी	परामर्शदाता
25			श्री गौरव शाहनी	लैब टैक्नीशियन
26		सेंट मेरी हॉस्पिटल, मसूरी	श्रीमती पुष्पा आर्या	परामर्शदाता
27			कु0 सुदर्शना सिंह	लैब टैक्नीशियन
28		हर्रबटपुर क्रिश्चियन हॉस्पिटल, हर्रबटपुर	श्रीमती सिन्थिया	परामर्शदाता
29			श्री समीर कुमार	लैब टैक्नीशियन
30		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सहिया	श्री जगमोहन सिंह	परामर्शदाता
31				लैब टैक्नीशियन
32		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डोईवाला	कु0 रेनू कुकरेजा	परामर्शदाता
33			श्रीमती मीनाक्षी डोभाल	लैब टैक्नीशियन
34		एच.आई.एच.टी. मेडिकल कॉलेज, जौलीग्राण्ट	श्री महावीर सिंह असवाल	परामर्शदाता
35			श्री शैलेश राय	लैब टैक्नीशियन

उत्तराखण्ड में स्थापित एकीकृत परामर्श एवं परिक्षण केन्द्र

क्रमं सं	जिला	स्वास्थ्य केन्द्रों के नाम	कर्मियों के नाम	पद का नाम
36		एस.पी.एस. संयुक्त चिकित्यालय, ऋषिकेश	श्री हीरा बल्लभ नौडियाल	परामर्शदाता
37			श्री भूपेन्द्र फर्सवाण	लैब टैक्नीशियन
38		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, विकास नगर	सुश्री रेखा कुकरेती	परामर्शदाता
39			श्री संजय सिंह	लैब टैक्नीशियन
40		संयुक्त चिकित्सालय केन्द्र, प्रेमनगर	श्रीमती पूनम शाही	परामर्शदाता
41			श्री रणवीर सिंह रावत	लैब टैक्नीशियन
42	हरिद्वार	एच.एम.जी. जिला चिकित्सालय, हरिद्वार		परामर्शदाता
43			श्री विनोद कुमार तिवाडी	लैब टैक्नीशियन
44		जिला महिला चिकित्सालय (पी.पी.टी.सी.टी.), हरिद्वार	कु0 नम्रता मिश्रा	परामर्शदाता
45			श्रीमती अनुराधा नौटियाल	लैब टैक्नीशियन
46		राजकिय संयुक्त चिकित्सालय, रूड़की	श्रीमती वेनू बडोनी	परामर्शदाता
47			श्री प्रमिन्द्र कुमार	लैब टैक्नीशियन
48		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नारसन		परामर्शदाता
49			श्री अंकित कुमार शुक्ला	लैब टैक्नीशियन
50		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लक्सर		परामर्शदाता
51			श्री रविन्द्र बलोधी	लैब टैक्नीशियन
52	नैनीताल	बी.डी. पाण्डे जिला चिकित्सालय, नैनीताल		परामर्शदाता
53			श्रीमती कविता मेहरा	लैब टैक्नीशियन
54		सोबन सिंह जीना बेस चिकित्सालय, हल्द्वानी	श्रीमती दीपिका गुणवन्त	परामर्शदाता
55			श्री प्रदीप चन्द्र जोशी	लैब टैक्नीशियन
56		राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, रामनगर	श्रीमती मनीषा तिवाडी	परामर्शदाता
57			श्री जगत सिंह काराकोटी	लैब टैक्नीशियन
58		डॉ सुशीला तिवारी मेडिकल कालेज, हल्द्वानी	श्रीमती तनूजा बिष्ट	परामर्शदाता
59			श्रीमती बीना गूरूरानी	लैब टैक्नीशियन
60		राजकीय महिला चिकित्सालय, हल्द्वानी (पी.पी.टी.सी.टी.)	डॉ0 शालिनी टन्डन	परामर्शदाता
61			श्री विवेकानन्द	लैब टैक्नीशियन
62	पौड़ी	जिला चिकित्सालय, पौड़ी	श्री हर्ष पाल सिंह नेगी	परामर्शदाता
63			श्री संतोष प्रसाद जोशी	लैब टैक्नीशियन
64		जिला महिला चिकित्सालय, पौड़ी (पी.पी.टी.सी.टी.)	कु0 निधि बिष्ट	परामर्शदाता
65			श्रीमती रेखा जोशी	लैब टैक्नीशियन
66		बेस चिकित्सालय, श्रीनगर	श्रीमती सीमा हटवाल	परामर्शदाता
67				लैब टैक्नीशियन
68		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पाबौ	श्री मनदीप सिंह	परामर्शदाता
69			श्री विजय चन्द रमोला	लैब टैक्नीशियन
70		राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, कोटद्वार	श्रीमती संगीता कुकरेती	परामर्शदाता
71			श्री अनिल कुमार	लैब टैक्नीशियन

उत्तराखण्ड में स्थापित एकीकृत परामर्श एवं परिक्षण केन्द्र

क्रमं सं	जिला	स्वास्थ्य केन्द्रों के नाम	कर्मियों के नाम	पद का नाम
72	पिथौरागढ़	जिला चिकित्सालय, पिथौरागढ़	कु0 फरहाना परवीन	परामर्शदाता
73			श्री दिनेश जोशी	लैब टैक्नीशियन
74		जिला महिला चिकित्सालय, पिथौरागढ़ (पी.पी.टी.सी.टी.)	श्रीमती गोदावरी खोलीया	परामर्शदाता
75			श्री जगदीश सिंह ऐरी	लैब टैक्नीशियन
76		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, धारचुला		परामर्शदाता
77				लैब टैक्नीशियन
78	रूद्रप्रयाग	जिला चिकित्सालय, रूद्रप्रयाग	श्री वासू देव न्यूली	परामर्शदाता
79			श्री अरून चमोला	लैब टैक्नीशियन
80		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जखोली	श्रीमती अंजना भटट	परामर्शदाता
81			श्री अशुतोष नेगी	लैब टैक्नीशियन
82	टिहरी गढ़वाल	जिला चिकित्सालय, बौराडी	श्री मुकेश सिंह	परामर्शदाता
83			श्री आनन्द सिंह रावत	लैब टैक्नीशियन
84		श्री देव सुमन संयुक्त चिकित्सालय, नरेन्द्रनगर	श्री राम लाल डिमरी	परामर्शदाता
85			श्री रविकान्त राय	लैब टैक्नीशियन
86	उधमसिंह नगर	जे. एल. एन. जिला चिकित्सालय, रूद्रपुर	श्री ललीत चन्द्र पन्त	परामर्शदाता
87			श्री सुरेश थपलियाल	लैब टैक्नीशियन
88		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जसपुर	श्री सन्दीप चौहान	परामर्शदाता
89			श्री जमील अहमद	लैब टैक्नीशियन
90		एल.डी. भट्ट राजकीय चिकित्सालय, काशीपुर	श्रीमती सरिता ठाकुर	परामर्शदाता
91			श्री अजीत रावत	लैब टैक्नीशियन
92		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, खटीमा	श्री धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता	परामर्शदाता
93			श्री शिवपद मन्डल	लैब टैक्नीशियन
94	उत्तरकाशी	जिला चिकित्सालय, उत्तरकाशी	श्रीमती सीमा शर्मा	परामर्शदाता
95				लैब टैक्नीशियन
96		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पुरोला	श्री यशवीर सिंह	परामर्शदाता
97			श्री संदीप सिंह	लैब टैक्नीशियन
98		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नौगांव	श्री शिव प्रसाद	परामर्शदाता
99			श्री संजय प्रकाश जोशी	लैब टैक्नीशियन
100	मोबाईल वैन	आई.सी.टी.सी. मोबाईल वैन	श्री अजय घर्ती	परामर्शदाता
101			श्री सिद्धार्थ कुकरेती	लैब टैक्नीशियन
102			श्री प्रकाश चन्द्र जोशी	वाहन चालक
103			श्री राजन राम	एटेन्डेन्ट
104	एस.आर.एल	एस.आर.एल. जौलीग्राण्ट	श्री विजय कुमार	टैक्नीकल आफिसर

उत्तराखण्ड राज्य में स्थापित केन्द्र जहां एच.आई.वी.संक्रमित व्यक्तियों को एन्टीरेट्रोवायरल की नि:शुल्क दवा प्रदान की जाती है-

1. एआर.टी. केन्द्र– दून चिकित्सालय,
   कक्ष संख्या 101, द्वितीय तल, देहरादून दूरभाष संख्या : 0135-2655529 (Direct), 2653523-Extn. 373

2. ए.आर.टी. केन्द्र– डॉ0 सुशीला तिवारी, राजकीय चिकित्सालय,
   रामपुर रोड हल्द्वानी (नैनीताल) दूरभाष संख्या : 05946-235609 (Direct), 05946-234104, 234397, Extn. 3284, 3164.

3. एफ.आई. ए.आर.टी. केन्द्र (फैसिलिटी इन्ट्रीगेटेड ए.आर.टी. केन्द्र) – बी.डी. पाण्डे जिला चिकित्सालय पिथौरागढ़।

उत्तराखण्ड राज्य में स्थापित एवं कार्यरत लिंक ए.आर.टी. केन्द्रों की सूची:–

क्र.सं.	जिला	लिंक. ए.आर.टी. का नाम
1	अल्मोडा	जिला चिकित्सालय, अल्मोड़ा
2	बागेश्वर	जिला चिकित्सालय, बागेश्वर
3	चमोली	जिला चिकित्सालय, गोपेश्वर, चमोली
4	चम्पावत	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लोहाघाट, चम्पावत
5	देहरादून	संयुक्त चिकित्सालय,ऋषिकेश
6	हरिद्वार	जिला चिकित्सालय, हरिद्वार
7		संयुक्त चिकित्सालय रूड़की, हरिद्वार
8	पौड़ी	बेस/मेडिकल चिकित्सालय,श्रीनगर, पौड़ी
9		जिला चिकित्सालय पौड़ी
10		संयुक्त चिकित्सालय कोटद्वार, पौड़ी
11	रूद्रप्रयाग	जिला चिकित्सालय, रूद्रप्रयाग
12	टिहरी	जिला चिकित्सालय, बौराड़ी, टिहरी
13	उधमसिंह नगर	संयुक्त चिकित्सालय काशीपुर, उधमसिंह नगर
14		संयुक्त चिकित्सालय, खटीमा, उधमसिंह नगर
15	उत्तरकाशी	जिला चिकित्सालय,उत्तरकाशी

ओ०एस०टी० केन्द में कार्यरत कार्मिकों का विवरण, उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति (2015-16)

ओ0एस0टी0 केन्द का नाम	स्टाफ का नाम	पद	फोन नं0	ई–मेल
एल0डी0 भट्ट राजकीय चिकित्सालय काशीपुर, उधमसिंह नगर	डा0 मनु पाण्डे	नोडल अधिकारी	9719000553	kumarat1967@gmail.com
	डा0 कमलजीत सिंह	चिकित्सा अधिकारी	9997969974, 9690192582	ksingh1982@rediffmail.com
	भावना बिष्ट	डाटा मैनेजर	8899454938	bhawnabisht29@gmail.com
	नीता पंत	काउंसलर	7830738828	pantneeta31@gmail.com
	जया देवी	ए0एन0एम0	8477914805, 8532030134	jayabhandari352@gmail.com
	शोभा रानी	ए0एन0एम0(पार्ट टाइम)	9412113918	
राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय, बनभूलपुरा, हल्द्वानी, नैनीताल	डा0 राजेश ढ़करियाल	नोडल अधिकारी	9411307935	ostcenternainital@gmail.com
	डा0 संजय गुप्ता	चिकित्सा अधिकारी	9412129241	Drsanjay063@gmail.com
	ललित पंत	डाटा मैनेजर	9927421091	lalit1pant@gmail.com
	सुनील कुमार	काउंसलर	8445334568	snlkumar042@gmail.com
	सलोमी मसीह	ए0एन0एम0	7351633058	aviwash@gmail.com
मेला चिकित्सालय, हरिद्वार	डा0 मनोज वर्मा	नोडल अधिकारी	9634242111	drmanojvarma08@gmail.com
	दीपक कुमार	डाटा मैनेजर	9760504303	dk70024@gmail.com
	आशा नेगी	काउंसलर	9412383291	ostharidwar@gmail.com
	मधु भट्ट	ए0एन0एम0	7579087915	madhubhatt@gmail.com
राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, प्रेमनगर, देहरादून	डा0 परमार्थ जोशी	नोडल अधिकारी	7895179383	ostpremnagar@gmail.com
	डा0 एन0के0 सिंह	चिकित्सा अधिकारी	9411530778	dr. nks.singh@gmail.com
	जीतेन्द्र सिह	डाटा मैनेजर	9319703535	jeetrana2010@gmail.com
	विपिन शर्मा	काउंसलर	9058402221	svipin012@gmail.com
	प्रेमलता	ए0एन0एम0	7533942825	lata.prem8@gmail.com
जवाहरलाल नेहरू जिला चिकित्सालय, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर	डा0 राजेन्द्र कुमार पाण्डे	मुख्य चिकित्सा अधिकारी	9719284169	
	डा0 एम0के0 तिवारी	नोडल अधिकारी	9412419862	ostjlnusnagar@gmail.com
	डा0 ए0एम0 शर्मा	चिकित्सा अधिकारी	9756206498	
	रंजन पाण्डेय	डाटा मैनेजर	9720341617	pandeyranjan87@gmail.com
	श्वेता दीक्षित	काउंसलर	8958929947	Nempeaa121.achlish@gmail.com
	बीना कार्की	ए0एन0एम0	7409928867	mskarki29@gmail.com

Abbreviation

AAP	Annual Action Plan
AEP	Adolescence Education Programme
AIDS	Acquired Immuno Deficiency Syndrome
ANC	Antenatal Clinic
ART	Anti-retroviral Therapy
ASHA	Accredited Social Health Activist
ANM	Auxiliary Nurse Midwife
BCC	Behaviour Change Communication
BCSU	Blood Component Separation Units
BSS	Behaviour Surveillance Survey
CBO	Community-Based Organisation
COE	Centre of Excellence
CPT	Cotrimoxazole Prophylaxis Therapy
CST	Care, Support & Treatment
CCC	Community Care Centre
CDC	Centers for Disease Control and Prevention
CHC	Community Health Centre
CLHA	Children Living with HIV/AIDS
CMIS	Computerised Management Information System
CPFMS	Computerised Project Financial Manag-ement System
CPGRAMS	Centralised Public Grievance Redress and Monitoring System
CSMP	Condom Social Marketing Programme
CVM	Condom Vending Machine
DACO	District AIDS Control Officer
DAPCU	District AIDS Prevention & Control Unit
DFID	Department for International Development (UK)
DIC	Drop In Centre
Led	Employer Led Model
ESCM	Enhanced Syndromic Case Management
EQAS	External Quality Assessment Scheme
FC	Female Condom
FHI	Family Health International
FICTC	Facility Integrated Counseling and Testing Centre
FOGSI	Federation of Obstetric & Gynaecological Societies of India
FRU	First Referral Unit
FSW	Female Sex Workers
GC	General Client
GFATM	Global Fund for AIDS, Tuberculosis and Malaria
GIPA	Greater Involvement of People living with HIV/AIDS
H&FW	Health & Family Welfare
HIV	Human Immunodeficiency Virus
HMIS	Health Management Information System
HRG	High Risk Group
HSS	HIV Sentinel Surveillance
IAP	Indian Academy of Paediatrics
IAVI	International AIDS Vaccine Initiative
IBSS	Integrated Biological and Behavioural Surveillance
ICMR	Indian Council of Medical Research
ICTC	Integrated Counseling and Testing Centre
ICRW	International Centre for Research on Women
IDU	Injecting Drug User
IEC	Information, Education and Comm-unication
IHBAS	Institute of Human Behaviour & Allied Sciences
IIPS	International Institute for Population Sciences
IMS	Institute of Management Studies
JAT	Joint Appraisal Team
LAC	Link ART Centre

LWS	Link Worker Scheme
M & E	Monitoring & Evaluation
MoWCD	Ministry of Women & Child Development
MSM	Men who have Sex with Men
NABH	National Accreditation Board for Healthcare Providers
NACO	National AIDS Control Organisation
NACP	National AIDS Control Programme
NARI	National AIDS Research Institute
NBTA	National Blood Transfusion Authority
NCDC	National Cooperative Development Corporation
NEQAS	National External Quality Assessment Scheme
NGO	Non-Government Organisation
NIC	National Informatics Centre
NPO	National Programme Officer
NRHM	National Rural Health Mission
NRL	National Referral Laboratory
NSCB	Netaji Subhash Chandra Bose Medical College
NTSU	National Technical Support Group
NTWG	National Technical Working Group
NYKS	Nehru Yuva Kendra Sangathan
OI	Opportunistic Infection
OST	Opioid Substitution Therapy
ORW	Outreach Worker
PEP	Post Exposure Prophylaxis
PHC	Primary Health Centre
PHMI	Public Health Management Institute
PLHA	People Living with HIV/AIDS
PPP	Preferred Private Provider
PPTCT	Prevention of Parent to Child Transmission
PRI	Panchayati Raj Institution
RBTC	Regional Blood Transfusion Centre
RCH	Reproductive and Child Health
RI	Regional Institute
RNTCP	Revised National Tuberculosis Control Programme
RSBY	Rashtriya Swasthya Bima Yojna
RRC	Red Ribbon Club
RRE	Red Ribbon Express
RTI	Reproductive Tract Infection
SACS	State AIDS Control Society
SBTC	State Blood Transfusion Council
SIMU	Strategic Information Management Unit
SIMS	Strategic Information Management System
STD	Sexually Transmitted Disease
STI	Sexually Transmitted Infection
STRC	State Training & Resource Centre
TAC	Technical Advisory Committee
TB	Tuberculosis
TG	Transgender
TI	Targeted Intervention
TSG	Technical Support Group
TSU	Technical Support Unit
UN	United Nations
UNAIDS	United Nations Programme on HIV/AIDS
UNDP	United Nations Development Programme
UNICEF	United Nations Children's Fund
USACS	Uttarakhand State AIDS Control Society
USAID	United States Agency for International Development
UT	Union Territory
WBT	Whole Blood HIV Test
WHO	World Health Organization

एच.आई.वी./(HIV) संक्रमित व्यक्ति के साथ खेलने,
खाने या रहने से एच.आई.वी. संक्रमण नहीं
संक्रमित व्यक्ति के साथ भेदभाव
एच.आई.वी./एड्स पर
जानकारी के लिए टोल फ्री
सेवा 1097 पर
खून की जांच से शरीर में एच.आई.वी. की
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
USACS

एच.आई.वी. संक्रमण है तो घबराएं नही
अपनाएं नियमित जीवन, उपचार और देखभ
स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें।
स्वच्छ एवं पौष्टिक आहार का नियमित सेवन करें।
नियमित योग एवं व्यायाम करें।
जीवन के प्रति सकारात्मक सोच अपनाएं।
नशीले पदार्थों का सेवन न करें।
अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें।
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड
USACS

एच.आई.वी./(HIV) संक्रमित व्यक्ति के साथ खेलने, खाने,
रहने या उठने बैठने से एच.आई.वी. संक्रमण नहीं होता।
संक्रमित व्यक्ति के साथ भेदभा
एच.आई.वी./एड्स
सही जानकारी
खून की जांच से शरीर में एच.आई.वी. की उपस्थिति का पता
अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड
USACS

नियमित स्वैच्छिक रक्तदान से ही
सुरक्षित रक्त प्राप्त किया जा सकता है।
18–65 वर्ष की आयु का कोई
भी स्वस्थ व्यक्ति हर तीन महीने
में एक बार रक्तदान कर सकता है।
''रक्तदान''
''जीवनदान''
''महादान''
रक्तदान कीजिये - जीवन उपहार दीजिये
Donate Blood & Give a Gift of Life
एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून
टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें।

हमेशा नई सुई एवं
सिरिंज का इस्तेमाल करें
दूसरों द्वारा प्रयोग की गई सुई एवं सिरिंज से एचआईवी संक्रमण हो सकता है
अपने सामने ही नया पैकेट खुलवा कर सुई लगवाएं
अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें।
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड
USACS

संरक्षक
डा० नीरज खैरवाल
(आई.ए.एस.)
परियोजना निदेशक

प्रधान संपादक
डा० विनोद सिंह टोलिया
अपर परियोजना निदेशक

संपादक
श्री अनिल कुमार सती
संयुक्त निदेशक, आई. ई. सी.

संकलन एवं सह संपादन
सौरभ सहगल
सहायक निदेशक, डाक्यूमेंटेशन एवं पब्लिसिटी

संकलन सहायक
श्री जगदीश अधिकारी
अनुभाग सहायक

श्रीमती निधि डंडरियाल
स्टैनो आई. ई. सी. अनुभाग

संकलन समन्वयक
रक्त सुरक्षा अनुभाग
वित्त अनुभाग
टी. आई. अनुभाग
आई. सी. टी. सी. अनुभाग
एम. एण्ड ई. अनुभाग
आई. ई. सी. अनुभाग

USACS NACO

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण महानिदेशालय
डांडा लखौण्ड, पो0ओ0 गुजराड़ा, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून

दूरभाष: 0135–2608885, फैक्स 2608745, **Email: uttaranchalsacs@gmail.com Website: www.uasacs.org**

अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें